जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 245 प्रभात अजमेर, मंगलवार 14 अप्रैल, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

‘सरकार को राजनीतिक दृष्टि से भी ईमानदार व तटस्थ होना चाहिए, केवल संख्या बल से सही होना पर्याप्त नहीं’

सोनिया गांधी ने अखबार में संपादकीय लेख लिखकर, चुनाव के दौरान संसद का विशेष सत्र आहूत करने के निर्णय को चुनौती दी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। सोनिया गांधी ने एक अंग्रेज़ी दैनिक में लिखे अपने एक कड़े संपादकीय में नरेन्द्र मोदी सरकार पर महिलाओं के आरक्षण बिल को राजनीतिक लाभ में बदलने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का ध्यान महिलाओं के आरक्षण बिल पर नहीं, बल्कि परिसीमन (डीलिमिटेशन) पर केन्द्रित है। सरकार इस अवसर और बिल का इस्तेमाल लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को बिना जनगणना किए फिर से तय करने के लिए करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल अंकगणितीय रूप से सही नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से निष्पक्ष और बेदाग दिखाई देना चाहिए।

- सोनिया गांधी के लेख के अनुसार, सरकार की प्राथमिकता महिला आरक्षण नहीं है, बल्कि, संसद की सीटों का परिसीमन है तथा इस परिसीमन के जरिए सरकार दक्षिण भारत की संसदीय सीटों की संख्या कम करना है।
- इस परिसीमन से दक्षिण भारत का राजनीतिक महत्व घट जाता है तथा कांग्रेस पार्टी को दक्षिण भारत की पार्टियों को बगावत के झंडे के नीचे एकत्रित करना है, और उनको यह समझाया जा रहा है, अगर वे एक झंडे के नीचे नहीं हुए तो राजनीति की दृष्टि से व प्रशासन की दृष्टि से अप्रसांगिक हो जाएंगे।

परिसीमन के दीर्घकालिक प्रभाव होते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि मोदी सरकार केवल चुनावी लाभ लेने और चुनाव जीतने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। उनका एकमात्र उद्देश्य और प्राथमिकता यही है।

चुनाव के बीच विशेष सत्र की आवश्यकता के खिलाफ बोलते हुए, उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने सही और गलत का ध्यान रखना बंद कर दिया है, क्योंकि उनका एकमात्र ध्यान चुनाव जीतने पर है, और चुनाव आयोग सरकार के साथ पूरी तरह गठबंधन में है।

जनगणना और परिसीमन पर सरकार की यू-टर्न नीति स्पष्ट और उल्लेखनीय है, जो एक ऐसी सरकार के बारे में बहुत कुछ बता रही है, जिसका ध्यान केवल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ पर केन्द्रित है।

महिलाओं का आरक्षण बिल, जिसे 2023 में सर्वसम्मति से पारित किया गया था, मुद्दा है ही नहीं, मुद्दा तो परिसीमन है।

कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों के लिए तीन दिवसीय सत्र में उपस्थित रहने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कूनो नेशनल पार्क से अफ्रीकन चीता बारां के जंगलों में पहुँचा

छबड़ा, 13 अप्रेल (निसं)। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकलकर राजस्थान के बारां जिले के जंगलों में पहुंचा अफ्रीकन चीता “केपी-3” इन दिनों लगातार मूवमेंट कर रहा है। सोमवार को यह चीता छबड़ा के आलमपुरा क्षेत्र में पहुंच गया। इस दौरान वन विभाग टीम ने लगातार उसके मूवमेंट पर नज़र बनाए रखी।

- वन विभाग छबड़ा के आलमपुरा क्षेत्र में चीता “केपी-3” के मूवमैंट पर लगातार नज़र रख रहा है।

यह चीता पार्वती नदी किनारे होते हुए यहां पहुंचा। यहां पहुंचने के बाद उसे पेड़ों की छांव में आराम करते देखा गया और उसने आसपास के क्षेत्र में हल्की चहलकदमी भी की।

क्षेत्रीय वन अधिकारी भारत राठौड़ के अनुसार, चीते की मौजूदगी की जानकारी आसपास के ग्रामीणों को हो गई थी, जिसके चलते लोग उसे देखने के लिए उत्सुक नजर आए। पूरे दिन चीते की गतिविधियां संबंधित क्षेत्र में ही सीमित रहीं।

वन विभाग द्वारा लगातार सतर्कता बरती जा रही है, ताकि चीते की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। यहां छबड़ा रेंज के साथ -साथ एमपी के वनकर्मी भी मौजूद हैं। निगरानी के दौरान छबड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने जहाजों को चेतावनी देनी शुरु की कि ब्लॉकेड शुरु हो गया है

पर चेतावनी से एक बात साफ हुई की अगर कोई भी जहाज ईरानी “ऑयल” ले जाते हुए पकड़ा गया तो उसे बमबारी से उड़ा दिया जाएगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। डॉनल्ड ट्रम्प की होर्मुज़ स्ट्रेट में नाकेबंदी की धमकी सोमवार शाम से शुरू हो गई है। यह सिर्फ शुरुआत है, लेकिन इसके परिणाम क्या होंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

इस बीच, ट्रम्प ने ईरान युद्ध में एक नया मोर्चा खोल लिया है। इस बार, ट्रम्प ने पोप लियो चौदहवें के साथ विवाद खड़ा किया। पोप ने पहले ट्रम्प के ईरान युद्ध की आलोचना की थी। ट्रम्प ने खुद को एक शांत तस्वीर में ईसा मसीह के रूप में प्रस्तुत किया, और इस कदम ने लाखों ईसाइयों को नाराज़ कर दिया।

कुछ समय से, ट्रम्प ने पोप पर तीखे हमले किए हैं, यह कहते हुए कि वह विदेशी नीति या अपराधों के मामलों पर बोलने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। पोप का अपमान करना ट्रम्प के लिए कूटनीतिक मुसीबत और रणनीतिक गलती साबित हो सकता है, क्योंकि होर्मुज़ नाकेबंदी की शुरुआत के साथ उन्होंने अपने

- पर, सवाल यह उठ रहा है कि ये जहाज अगर रूस और चीन जा रहे होंगे तो भी क्या अमेरिका उन्हें उड़ा देगा।
- अमेरिका का यह “ब्लॉकेड” ईरान के लिए गंभीर धमकी है। क्योंकि, युद्ध के दौरान भी ईरान अपना “ऑयल” बेचकर काफी राजस्व प्राप्त कर रहा था तथा अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में जैसे-जैसे ऑयल के दाम बढ़ने लगे। ईरान की आमदनी भी वैसे-वैसे बढ़ती जा रही थी।
- अब यह आमदनी अगर बंद हो गई तो भारी आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। अतः ईरान ने पुतिन से बात की है, हस्तक्षेप करने के लिए।

आक्रमण को पूरी तरह से एक नए क्षेत्र में फैला दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नाकेबंदी का कदम खतरों और अज्ञात जोखिमों से भरा है। किन्हीं भी क्रूड तेल ले जाने वाले जहाजों या उर्वरक से लदे जहाजों की नाकेबंदी, जिनकी भारी मांग है, आगे और भी टकराव को जन्म दे सकती है। पहले से ही जटिल संघर्ष और बिगड़ सकता है और अन्य देश इसमें फंस सकते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका पहले ही जहाजों को नाकेबंदी के बारे में संकेत दे चुका है। लेकिन सोचिए, अगर नाकेबंदी में चीन या रूस को क्रूड भेजने वाले जहाज शामिल हों, तो क्या अमेरिका उनकी यात्रा रोक सकता है? और यदि अमेरिका ने इन जहाजों को भी रोका, तो रूस या चीन की प्रतिक्रिया क्या होती?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने अरूणाचल में “नामकरण” अभियान शुरु किया

भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन के इस कदम की आलोचना की और दोनों देशों के संबंधों में नकारात्मक प्रभाव डालने वाला बताया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। जब भारत सरकार खाड़ी संकट के संभावित और नकारात्मक आर्थिक प्रभावों में व्यस्त है, पूर्वी सीमाओं पर संकट बढ़ रहा है, क्योंकि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के जिलों, गांवों, पहाड़ों और नदियों के नाम बदलने के अभियान को फिर से जारी कर दिया है।

2025 के अंत तक, चीन ने अरुणाचल में 89 स्थानों के नाम बदलने के पांच बैच जारी किए हैं। यह प्रक्रिया 2017 में शुरू हुई और 2021, 2023, 2024 और 2025 में जारी रही। चीन अरुणाचल को ज़ांगनान या दक्षिण तिब्बत कहता है और अरुणाचल के लगभग 83,000 से 90,000 वर्ग किलोमीटर भूभाग पर अपना क्षेत्रीय अधिकार जताता है। इसने 1914 के शिमला समझौते में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच स्थापित मैकमोहन रेखा को खारिज कर दिया है। चीन पश्चिमी लद्दाख में अक्साई चिन के 38,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर भी अपने क्षेत्रीय अधिकार का दावा करता है।

- पूरा विश्व ईरान वॉर की समस्याओं से त्रस्ट है, खासकर भारत का पूरा ध्यान पैट्रोल व एलपीजी संकट से निपटने पर है, ऐसे में चीन ने अरूणाचल प्रदेश के क्षेत्रों का नया नाम रखना शुरु कर दिया है।
- चीन ने यह कार्यवाही 2017 में शुरु की थी तथा 2017 से 2025 तक नए नामों के 5 बैच जारी कर चुका है।
- चीन में अरूणाचल को जांगनान या दक्षिणी तिब्बत कहा जाता है। चीन ने 1914 में शिमला समझौते के तहत बनी मैकमोहन रेखा को पहले ही ठुकरा दिया है और वह अरूणाचल पर दावा जताता रहा है।

चीन की इस गतिविधि पर प्रतिक्रिया देते हुए, विदेश मंत्रालय ने इसे आधारहीन नैरेटिव कथाओं का निर्माण करने और झूठे दावे पेश करने का “शरारती प्रयास” बताया। विदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने विशेष सत्र के लिए व्हिप जारी किया

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। कांग्रेस ने लोकसभा के अपने सदस्यों को व्हिप जारी करते हुए कहा है कि वे आगामी 16 से 18 अप्रैल तक होने वाली सदन की तीन दिवसीय विशेष बैठक में मौजूद रहें तथा पार्टी के रुख का समर्थन करें।

कांग्रेस ने आधिकारिक बयान में कहा कि 16 से 18 अप्रैल तक लोकसभा में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार और मतदान होना है, इसलिए सभी सांसदों की उपस्थिति अनिवार्य है।

- महिला आरक्षण अधिनियम एवं परिसीमन में जुड़े विधेयकों व संशोधनों को पेश करने के आयोजित किया जा रहा है विशेष सत्र।

पार्टी ने अपने सदस्यों के लिए यह व्हिप उस वक्त जारी किया है, जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेल, एलपीजी के बाद अब सल्फर आपूर्ति भी खतरे में

ईरान जंग का दुष्परिणाम सल्फर आपूर्ति पर भी पड़ रहा है, जो कि खाद, बैटरी, सेमीकंडक्टर के निर्माण में महत्वपूर्ण है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अप्रेल। जब घर-घर ईंधन की कीमतों और एलपीजी की आपूर्ति को लेकर चिंता है, तब ईरान युद्ध के बीच, एक और धीमा, लेकिन गंभीर व्यवधान पृष्ठभूमि में उभर रहा है। यह व्यवधान सल्फर से जुड़ा है, जो उर्वरक, बैटरी, रसायन, धातु और यहां तक कि सेमीकंडक्टर के लिए एक आवश्यक मूल तत्व है।

यूरिया से लेकर कंप्यूटर चिप्स तक, सल्फ्यूरिक एसिड उत्पादन लाइनों के लिए अनिवार्य है। हालाँकि, होर्मुज़ स्ट्रेट के आसपास यह व्यवधान आपूर्ति में झटका पैदा कर रहा है, जो कारखानों के उत्पादन को धीमा कर सकता है और खाद्य कीमतों को बढ़ा सकता है।

मॉडर्न वॉर इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के अनुसार, समुद्र में भेजी जाने वाली सल्फर का आधा भाग होर्मुज़ स्ट्रेट से होकर गुजरता है। इन हैण्ड ब्रैड स्ट्रीट की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, वॉर शुरु होने के बाद से 44,000 कंपनियों का एक एक शिप कैंट प्रभावित हुआ है।

- सल्फर की आपूर्ति बाधित हुई तो भारत में सरकार पर खाद सब्सिडी का अतिरिक्त भार पड़ेगा, किसानों को पर्याप्त खाद नहीं मिलेगी, खाद्यान्न महँगा हो जाएगा और रसायन व धातू निर्माण संयंत्रों की लागत भी बढ़ जाएगी।
- मॉडर्न वॉर इंस्टीट्यूट के अनुसार, विश्व भर में सल्फर की कुल आपूर्ति का 50 प्रतिशत होर्मुज़ से गुजरता है और 28 फरवरी के बाद से 44,000 कंपनियों के “शिपमैंट” अवरुद्ध हो चुके हैं।

सल्फर मुख्य रूप से तेल और गैस परिष्करण का बाय प्रॉडक्ट है। वैश्विक निर्यात का 45 प्रतिशत से अधिक खाड़ी देशों के पास है। मूल रूप से, किसी भी तेल व्यवधान का असर जल्दी ही सल्फर आपूर्ति पर पड़ता है।

दुनिया भर की सल्फर की कुल मांग का लगभग 60 प्रतिशत उर्वरकों से आती है। बाकी का इस्तेमाल रसायन, धातु प्रसंस्करण, बैटरी और चिप निर्माण में होता है।

भारत अपनी सल्फर आवश्यकता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आयात करता है, मुख्यतः यूरिया और फॉस्फेट उर्वरकों के लिए। किसी भी लंबी अवधि का व्यवधान भारी प्रभाव दिखा सकता है, जैसे सरकार के लिए उर्वरक सब्सिडी का बोझ बढ़ना, किसानों के लिए उच्च इनपुट लागत, आपूर्ति सघन होने पर खाद्य महंगाई का खतरा, रसायन और धातु उत्पादकों के लिए लागत में वृद्धि।

ध्यान देने वाली बात यह है कि इंडोनेशिया, जो कि प्रमुख निकल उत्पादक है, अपनी सल्फर का लगभग 75 प्रतिशत मध्य पूर्व से आयात करता है। भारत भी उर्वरक से जुड़ी मांग के लिए इसी तरह की निर्भरता में बैठा है। इसलिए, ईरान संघर्ष लंबा चलता है तो यह दबाव बना रहता है। वास्तव में, द सौफान सेंटर और अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) द्वारा किए गए हालिया शोध और विश्लेषण में निष्कर्ष निकला है कि उर्वरक आपूर्ति में व्यवधान जल्दी ही खाद्य सुरक्षा जोखिम में बदल सकता है।

बंगाल में एक्शन मोड़ में है ईडी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अप्रेल। एन्फोर्समेन्ट डायरैक्वरेंट (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। एजेंसी ने कई घोटालों से जुड़े उच्च प्रोफ़ाइल छापों और संपत्ति जब्तियों की श्रृंखला शुरू की है, जिनमें भर्ती घोटाला, जमीन हड़पना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के गेहूं का गबन शामिल है।

- राज्य में ईडी ने कई घोटालों की लिस्ट बनाई है और उसके आधार पर तृणमूल नेताओं व सरकार के अफसरों पर धड़ाधड़ रेड कर रही है।

मार्च के अंत और अप्रैल 2026 की शुरुआत में हुई गतिविधियों की तूफ़ानी श्रृंखला में, केन्द्रीय एजेंसी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘अगर जीत का मार्जिन, काटे गए वोटर्स की संख्या से कम है तो हम हस्तक्षेप करेंगे’

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में एसआईआर के संबंध में दायर याचिकाओं के बारे में हो रही सुनवाई के दौरान बहुआयामी टिप्पणी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने केवल पश्चिम बंगाल में ही एसआईआर के दौरान संदिग्ध मतदाताओं की “तार्किक असंगति” सूची बनाई।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने यह टिप्पणी की और कहा कि अब पश्चिम बंगाल में मतदाता विभिन्न संवैधानिक प्राधिकरणों के बीच फंस गए हैं।

न्यायमूर्ति बागची ने यह टिप्पणी उस समय की, जब चुनाव आयोग ने तर्क दिया कि आयोग के नोटिसों का निर्णय करने वाले न्यायिक अधिकारियों के कुल मामलों का 47 प्रतिशत खारिज किया गया।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा, “यह अंतिम साधन को न्यायसंगत बनाने की लड़ाई नहीं है, बल्कि साधन अंत को न्यायसंगत बनाने के लिए हैं। यह राज्य और चुनाव आयोग के बीच कोई संघर्ष नहीं है। यह आरोप-प्रत्यारोप का खेल भी नहीं है। यह तो मतदाता के दो पाटों के बीच फंसने का मामला है। अदालतों ने केवल चुनाव को बढ़ावा देने के लिए हस्तक्षेप किया है, रोकने के लिए नहीं।”

लेकिन न्यायमूर्ति बागची ने यह भी कहा कि जब तक ”अत्यधिक संख्या में मतदाता (मतदान से) बहिष्कृत नहीं होते,” चुनाव के परिणामों में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, “यदि 10 प्रतिशत मतदाता वोट नहीं करते और जीत का अंतर 10 प्रतिशत से अधिक है, तो... यदि यह 5 प्रतिशत से कम है तो हमें विचार करना होगा। पहले किसी उम्मीदवार को अपीलीय न्यायाधिकरण के सामने प्राथमिकता दी जाती थी, क्योंकि किसी उम्मीदवार को चुनाव में भाग लेने के अधिकार से इनकार नहीं किया जा सकता। कृपया यह न सोचें कि हम यह नहीं सोच रहे कि बहिष्कृत मतदाताओं का क्या होगा।”

- सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि बंगाल में वोटर, संसदीय अथॉरिटीज चुनाव आयोग व राज्य सरकार के बीच में पिस रहा है। अतः सुप्रीम कोर्ट इस सिद्धांत के अनुरुप काम कर रहा है कि चुनाव कराने को प्रोत्साहित करना चाहिए, चुनाव रद्द करने को नहीं।
- अतः, अगर 10 प्रतिशत वोटर, वोट नहीं कर पाए तथा उदाहरण के लिए जीत का मार्ज़िन कम, पाँच प्रतिशत, है तो हम हस्तक्षेप करेंगे।

न्यायमूर्ति बागची ने पश्चिम बंगाल और बिहार में एसआईआर के बीच भिन्नताओं पर भी प्रकाश डाला, विशेषकर तार्किक असंगति सूची के निर्माण में।

उन्होंने कहा, “हमने संवैधानिक प्राधिकरण को मतदाता सूची की शुद्धता के मुद्दे में जाने की अनुमति दी है। आपके एसआईआर पर आपकी मूल ईसीआई अधिसूचना ने 2002 की सूची को नहीं छुआ। लेकिन आपकी तार्किक असंगति सूची अस्वीकरण का कारण 2002 की सूची आदि हैं। आपकी अधिसूचना उन लोगों को प्रभावित करती है, जो 2002 की सूची से संबंधित हैं, अर्थात 2002 की सूची मानक है। अंतिम सूची में आपने 2002 की सूची के सदस्यों को नहीं हटाया। जब बिहार एसआईआर पर विचार हुआ, तो आयोग की प्रस्तुतियाँ स्पष्ट थीं कि 2002 की सूची के सदस्यों को कोई दस्तावेज़ देने की आवश्यकता नहीं है। कृपया बिहार के मामले में अपनी लिखित प्रस्तुतियाँ देखें। आपने कहा था कि 2002 के मतदाता को दस्तावेज़ देने की आवश्यकता नहीं है।”

जब चुनाव आयोग के वरिष्ठ वकील डी.एस. नायडू ने कहा कि लोगों को यह साबित करना होगा कि वे 2002 की सूची वाले ही व्यक्ति हैं, न्यायमूर्ति बागची ने कहा, “अब आप पहले की प्रस्तुतियों में सुधार कर रहे हैं।”

न्यायमूर्ति बागची ने यह भी कहा कि न्यायिक अधिकारियों ने निर्णय प्रक्रिया के दौरान कुछ त्रुटियां की होंगी।

उन्होंने कहा, “यदि आप दिन में 1000 दस्तावेज़ देखते हैं, और सटीकता 70 प्रतिशत है, तो इस गतिविधि को उत्कृष्ट माना जाना चाहिए। इसलिए त्रुटि की संभावना होगी और हमें एक मजबूत अपीलीय मंच की आवश्यकता है।”

मतदान के अधिकार को निरंतर बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘तृणमूल अलगाववादियों का समर्थन करती है’

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अप्रेल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए कहा कि सिलीगुड़ी और उसके आसपास का क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है और राज्य की सत्ताधारी पार्टी को

- प्रधानमंत्री मोदी ने सिलीगुड़ी में एक सभा में कहा, चिकन्स नैक को काट कर उत्तर पूर्व को भारत से अलग करने की धमकी देने वाली टुकड़े-टुकड़े गैंग का तृणमूल समर्थन करती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

उपदेश के बजाय कहीं ज्यादा हम करके सीखते हैं। –बर्क

पश्चिम बंगाल के चुनावों की वैधता पर प्रश्नचिन्ह

पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनाव 23 और 29 अप्रैल 2026 को होंगे। गत विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने यह नारा दिया था कि ''अब की बार 200 पार'' और वह विधानसभा की कुल 294 सीटों में केवल 77 सीटों पर सिमट कर रह गई थी। इसी प्रकार, गत लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने ''अब की बार 400 पार'' का नारा दिया और वह 240 पर आकर अटक गई। शायद, भाजपा को लगने लगा है कि उसकी लोकप्रियता में धीरे-धीरे कमी आ रही है और चुनाव जीतने का कोई दूसरा रास्ता ढूंढना होगा। संभव है, इसी सोच के चलते भाजपा ने एस आई आर का तरीका निकाला।

सबसे पहले एस आई आर अर्थात् स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन, बिहार चुनाव से ठीक पहले कराया गया। इसका खूब विरोध हुआ किंतु निर्वाचन आयोग की हठधर्मिता के कारण किसी की नहीं चली। सर्वोच्च न्यायालय में भी याचिकाएं दायर हुईं किंतु वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। बिहार में एन डी ए ने अच्छे बहुमत से चुनाव जीता और सरकार बनाई। बिहार की चुनावी सफलता से उत्साहित होकर भाजपा ने सभी राज्यों में एस आई आर कराने का निर्णय ले लिया।

पूरे देश में मतदाता सूचियों के ''स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन'' का कोई प्रावधान चुनाव संबंधी कानून में नहीं है, किंतु बिहार में पहली बार इसे अचानक करने की घोषणा की गई। जब एस आई आर की आड़ में लाखों लोगों के नाम कटने का काम शुरू हुआ तो विभिन्न राजनैतिक दल और स्वैच्छिक संगठनों ने माननीय उच्चतम न्यायालय में कई याचिकाएं दायर कीं। इनकी अनेक बार सुनवाई हुई और माननीय न्यायाधीशों ने कई बार सुनवाई के दौरान मौखिक निर्देश भी दिए, किंतु न तो अंतिम फैसला दिया गया और न ही एस आई आर की प्रक्रिया पर रोक लगाई गई। कुल मिलाकर एस आई आर केवल मतदाताओं के नाम काटने का उपक्रम बन कर रह गया। जिन घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करने की आड़ में निर्वाचन आयोग, एस आई आर की जिद् पर अड़ा रहा, उनकी संख्या आखिर तक निर्वाचन आयोग नहीं बता पाया। यह संख्या कुछ सैंकड़ों से अधिक नहीं थी और इन्हें भी देश से निकालने की कोई कार्यवाही भारत सरकार के गृह विभाग द्वारा नहीं की गई। हां, इस प्रक्रिया में लाखों वैध मतदाताओं के नाम अवश्य कट गए। फलस्वरूप, एन डी ए को बिहार विधानसभा चुनावों में अप्रत्याशित सफलता मिली।

यह उल्लेखनीय है कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा एस आई आर की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं दिया गया है जब कि बहस पूरी हुए कई महीने हो गए हैं। इसी बीच पुडुचेरी, केरल और असम के चुनाव हो चुके हैं और अब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनाव हो रहे हैं जिनका परिणाम 4 मई, 2026 को आएगा।

सबसे ज्यादा विवादास्पद, पश्चिम बंगाल का एस आई आर रहा है। वहां पर तृणमूल कांग्रेस और विशेष कर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एस आई आर का घोर विरोध किया। उनके द्वारा, विभिन्न प्रकार की त्रुटियां सामने लाई गईं। उच्चतम न्यायालय में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वयं उपस्थित हो कर बहस भी की।

एस आई आर में कई खामियां और समस्याएं सामने आने के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय ने कोई प्रभावी दखल इसमें नहीं दिया। इसके कारण निर्वाचन आयोग, विशेष कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपनी मनमानी करने में सफल रहे हैं। ज्ञानेश कुमार के पक्षपात पूर्ण रवैये के कारण ही इनको हटाने का प्रस्ताव विपक्ष राजनीतिक दलों के द्वारा संसद में लाया गया किंतु उसे राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष द्वारा स्वीकार नहीं किया गया। इस प्रकार, ज्ञानेश कुमार को एक प्रकार से अभयदान मिल गया है।

पश्चिम बंगाल की एस आई आर में लगभग 90 लाख मतदाताओं के नाम कटे, जिनमें से 64 प्रतिशत हिंदू और 34 प्रतिशत मुस्लिम हैं। इस कारण भाजपा जो हासिल करना चाहती थी, वह शायद तृणमूल कांग्रेस की सक्रियता के कारण पूरी तरह हासिल नहीं कर पाई है। चाहे एक मतदाता का नाम कटे या 90 लाख का, यह पूरी तरह मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन है। कहा जाता है कि मतदाता मिलकर सरकार चुनते हैं किंतु जिस प्रकारकी प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा अपनाई गई, उससे तो ऐसा लगता है कि सरकार मतदाता चुन रही है कि कौन मतदाता रहेगा और कौन नहीं। जिन मतदाताओं के नाम कटे, उनमें कई प्रमुख व्यक्ति सम्मिलित हैं। इनमें वे लोग भी हैं जिन्होंने एस आई आर की प्रक्रिया को संपादित कराया। संविधान की मूल प्रति में चित्रांकन का काम करने वाले प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस के पोते तक का नाम सूची में से कट गया है। कई न्यायाधीशों तक के नाम भी कटे हैं।

> **किसी भी भारतीय नागरिक को उसके मताधिकार से वंचित करना और निर्वाचन आयोग द्वारा इसके बारे में कोई स्थिति तक स्पष्ट नहीं करना, एक प्रकार से लोकतंत्र की हत्या के समान है। मतदाता सूची किसी भी चुनाव का मूल आधार है और वही जब अशुद्ध होगी तो कैसे चुनाव को शुद्ध कहा जाएगा?**

अन्य राज्यों की तुलना में पश्चिम बंगाल का एस आई आर सर्वाधिक विवादास्पद रहा है। यहां अनेक अधिकारियों को जिनमें मुख्य सचिव और महानिदेशक पुलिस तक सम्मिलित हैं, को चुनाव आयोग द्वारा बदल दिया गया। ''लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी'' के नाम पर 27.16 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। उन पर सुनवाई करने हेतु लगभग 500 न्यायाधीशों को लगाया गया। ऐसा भारत के चुनावी इतिहास में पहली बार हुआ है।

''लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी'' की यह अवधारणा पहली बार निर्वाचन आयोग ने लागू की है। कई बार नाम की स्पेलिंग में गलतियां होती हैं या एक ही नाम कई प्रकार से लिखा जाता है। इसी को लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी का नाम दिया गया।

जब यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा तो सुनवाई के दौरान एक माननीय न्यायाधीश ने यहां तक कह दिया कि यदि किसी का नाम मतदान की तारीख तक शामिल नहीं हुआ तो वे अगले चुनाव में वोट डाल सकते हैं। यह तर्क बिल्कुल विचित्र है कि किसी वैध मतदाता को उसके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया जाय। मतदाता सूचियों पर आई सभी आपत्तियों का निराकरण किए बिना चुनाव करवाना अवैध माना जाएगा।

27.16 लाख लाख संभावित वैध मतदाताओं के नाम काटने का अर्थ यह हुआ कि एक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 9000 लोगों के नाम कटे हैं। जिन क्षेत्रों में चुनाव में जीत - हार का अंतर 5000 से कम रहता है वहां पूरे चुनाव का परिणाम बदल सकता है। इन लोगों को ट्रिब्यूनल में अपील करने के लिए कहा गया है और 23 अप्रैल, 2026 को चुनाव है। यह संभव नहीं है कि इन पर निर्णय उससे पहले हो पाएगा। जनप्रतिनिधि कानून के अनुसार नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख को मतदाता सूची 'freeze' कर दी जाती है। पश्चिम बंगाल के दोनों चरणों के नामांकन की अंतिम तिथि क्रमशः 6 और 9 अप्रैल को निकल चुकी हैं। अतः इसमें अब नाम कैसे जोड़े जाएंगे, यह स्पष्ट नहीं है।

किसी भी भारतीय नागरिक को उसके मताधिकार से वंचित करना और निर्वाचन आयोग द्वारा इसके बारे में कोई स्थिति तक स्पष्ट नहीं करना, एक प्रकार से लोकतंत्र की हत्या के समान है। मतदाता सूची किसी भी चुनाव का मूल आधार है और वही जब अशुद्ध होगी तो कैसे चुनाव को शुद्ध कहा जाएगा?

जब चुनाव के बाद उच्च न्यायालय में निर्वाचन को चुनौती दी जाएगी तो, स्वाभाविक रूप से उच्च न्यायालय के पास उस चुनाव परिणाम को निरस्त करने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं बचेगा। इन सारी परिस्थितियों में यह प्रश्न तो उठता ही है कि निर्वाचन आयोग को क्या जल्दी थी एस आई आर करने की? क्यों वह देश के नागरिकों और राजनीतिक दलों द्वारा उठाई गई आपत्तियों का कोई उत्तर सार्वजनिक रूप से नहीं दे रहा है?

राज्यों की एस आई आर के लिए निर्धारित समय सीमा इतनी अव्यावहारिक थी कि उसे कई बार निर्वाचन आयोग को बढ़ाना पड़ा। वर्तमान निर्वाचन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर राजनैतिक दलों का आरोप है कि वे अपने कार्य और व्यवहार से भाजपा के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं। नैसर्गिक न्याय का सिद्धांत है कि न्याय न केवल होना चाहिए अपितु होता हुआ दिखाई भी ऐसा देना चाहिए। एस आई आर में न तो न्याय हुआ न होता हुआ दिखाई दिया।

यह सही है कि चुनावों के दौरान राज्य का प्रशासन सीधा निर्वाचन आयोग के अधीन काम करता है, किंतु ऐसा लगता है कि इस निर्वाचन आयोग ने सत्ताधारी दल के इशारे पर सारे काम किए हैं।

निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है किंतु इसका अर्थ उसके द्वारा मनमानी करना नहीं हो सकता। उसका यह दायित्व बनता है कि जनता और उसके प्रतिनिधियों के द्वारा उठाया गए प्रश्नों का समुचित प्रकार से समाधान करे। ज्ञानेश गुप्ता ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा दिए गए प्रतिवेदनों पर कोई उत्तर तक नहीं दिया। यही नहीं तृणमूल कांग्रेस के जो सांसद और अन्य प्रतिनिधि ज्ञानेश गुप्ता से मिलने के लिए गए तो उन्होंने 5 मिनट में इन लोगों को अपने कमरे से बाहर निकाल कर मीटिंग समाप्ति की घोषणा कर दी। निर्वाचन आयोग का, निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रति यह व्यवहार लोकतंत्र में किसी भी रूप से स्वीकार्य नहीं हो सकता है।

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में जीत चाहे किसी की क्यों ना हो, निर्वाचन आयोग के कारण वहां के अनेक मतदाता अपने मताधिकार से वंचित तो हो ही गए हैं। इसे केवल लोकतंत्र की हार ही कहा जाएगा। ज्ञानेश कुमार अथवा निर्वाचन आयोग को, इस प्रकार का निरंकुश व्यवहार करने का अधिकार न संविधान देता है न लोकतांत्रिक व्यवस्था। यदि वह ऐसा कर पाए हैं तो केवल सत्ताधारी दल भाजपा के पूर्ण संरक्षण के कारण। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव की वैधता पर प्रश्न चिन्ह तो लग ही गया है। चुनाव परिणाम आने के बाद भी कई याचिकाएं लगने की संभावना है। फिलहाल तो ऐसा लगता है कि भाजपा ने एस आई आर के सहारे ही चुनावी वैतरणी पार करने का निर्णय लिया है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

728 किमी का सफर: नर्मदा का नीर पहुंचा देश के आखिरी गांव 'सुंदरा' तक, बदली ज़िंदगी की धारा

मानसिंह मीणा

राजस्थान के बाड़मेर जिले की भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बसा सुंदरा गाँव एक ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बना है। आज़ादी के बाद पहली बार इस दूरस्थ रेगिस्तानी गाँव के हर घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुँचा है। यह केवल पानी की आपूर्ति नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही कठिनाइयों पर जीत और नई उम्मीदों की शुरुआत है।

सदियों पुराना गाँव, लेकिन बुनियादी सुविधाओं से दूर :- सन् 1734 में स्थापित सुंदरा कभी क्षेत्रफल की दृष्टि से देश की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत माना जाता था। लगभग 1345 वर्ग किलोमीटर में फैले इस गाँव का जीवन हमेशा से रेगिस्तान की कठिन परिस्थितियों से जुड़ा रहा है। बाड़मेर मुख्यालय से करीब 170 किलोमीटर दूर बसे इस गाँव के लोगों को पीने के पानी के लिए वर्षों तक संघर्ष करना पड़ा।

यहाँ का भूजल इतना खारा था कि इंसानों के साथ-साथ पशु भी उसे पीने से कतराते थे। सरकार द्वारा लगाए गए ट्यूबवेल भी बेकार साबित हुए। मजबूरी में लोगों को 15-20 किलोमीटर दूर अन्य गाँवों से पानी ढोकर लाना पड़ता था।

युद्ध और विस्थापन की पीड़ा :-भारत-पाकिस्तान युद्ध 1965 और भारत-पाकिस्तान युद्ध 1971 के दौरान इस सीमा क्षेत्र के गाँव को खाली करवा दिया गया था। ऐसे में सुंदरा के लोगों ने न सिर्फ प्राकृतिक कठिनाइयों, बल्कि ऐतिहासिक चुनौतियों का भी सामना किया।

नर्मदा का नीर: एक असंभव को संभव करने वाली परियोजना

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या-पेयजल-का समाधान बना नर्मदा नहर आधारित पेयजल परियोजना। सरदार सरोवर बांध से शुरू होकर नर्मदा का पानी 728 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर सुंदरा तक पहुँचा। करीब 513 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 200 से अधिक गाँवों तक पानी पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया, 16 बड़े जल संग्रहण केंद्र बनाए गए, कई पम्पिंग स्टेशन स्थापित किए गए, 80 से अधिक एलिवेटेड सर्विस रिज़र्वायर तैयार किए गए, रेत के ऊँचे-ऊँचे टीलों को काटकर पाइपलाइन बिछाना, बिजली की कमी और सीमा क्षेत्र में सुरक्षा प्रतिबंधकृइन सभी बाधाओं को पार करते हुए यह परियोजना पूरी की गई।

जब सपना हकीकत बना : - सुंदरा के लोगों के लिए यह बदलाव किसी चमत्कार से कम नहीं है। 80 वर्षीय महिलाओं ने पहली बार अपने घर के सामने मीठे पानी का नल देखा। दशकों तक खारा पानी पीने के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ाकृदाँत पीले होना, हड्डियाँ कमजोर होना और समय से पहले बुढ़ापा आम बात थी।

गाँव की महिलाओं को रोजाना कई किलोमीटर दूर पानी लाने की मजबूरी से अब मुक्ति मिल गई है। अब न सिर्फ समय की बचत होगी, बल्कि स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।

नई शुरुआत की ओर कदम : - आज सुंदरा गाँव में नल से बहता पानी सिर्फ प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि विकास, सम्मान और बेहतर जीवन का प्रतीक बन चुका है। यह कहानी बताती है कि सही योजना, दृढ़ संकल्प और तकनीकी प्रयासों से देश के सबसे कठिन इलाकों में भी बदलाव संभव है।

–मानसिंह मीणा,
उप निदेशक (जनसम्पर्क)
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जयपुर

ऑर्गन, ब्लड एवं आई डोनेशन और धार्मिक जड़ता : जब आस्था मानवता पर भारी पड़ने लगे

सुनील दत्त गोयल

भारत में अंगदान और रक्तदान पर चर्चा अब केवल स्वास्थ्य या जागरूकता तक सीमित नहीं रही है, बल्कि यह सामाजिक व्यवहार और धार्मिक व्याख्याओं के टकराव का विषय बन चुकी है। ऑर्गन, ब्लड और आई डोनेशन जैसे जीवनरक्षक विषयों पर जब हम आंकड़ों की ज़मीन पर खड़े होकर सोचते हैं, तो एक असहज सच्चाई सामने आती है – हमारे समाज में जागरूकता से ज़्यादा भ्रम है, और सेवा से ज़्यादा संकोच।

खासतौर पर यह आरोप बार-बार सामने आता है कि कुछ समुदायों में – विशेषकर मुस्लिम समाज के एक हिस्से में – अंगदान और रक्तदान को लेकर हिचक या इंकार देखने को मिलता है, और इसके पीछे धार्मिक कारण बताए जाते हैं।

लेकिन जब हम इस मुद्दे को भावनाओं से हटाकर तथ्यों और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखते हैं, तो कई महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आते हैं।

वैश्विक परिदृश्य: दुनिया क्या कहती है?

वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाईजेशन के अनुसार:

-हर साल दुनिया भर में 1.5 लाख से अधिक अंग प्रत्यारोपण किए जाते हैं

-जबकि वास्तविक ज़रूरत इससे 10 गुना अधिक है

-रक्तदान की मांग हर देश में निरंतर बढ़ रही है, विशेषकर आपातकालीन सेवाओं, कैंसर, थैलेसेमिया, किडनी और ट्रॉमा मामलों में।

यूरोप और अमेरिका के कई देशों में ऑर्गन डोनेशन को धर्म नहीं, नागरिक कर्तव्य माना जाता है। स्पेन जैसे देशों में ऑप्ट-आउट मॉडल लागू है, जहाँ मृत्यु के बाद अंगदान स्वतः मान्य होता है, जब तक व्यक्ति ने मना न किया हो।

भारत की हकीकत: जरूरत बहुत, दान कम

नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाईजेशन के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं:

-भारत में हर वर्ष लगभग 5 लाख लोग अंगों की कमी के कारण जान गंवा देते हैं

-भारत का ऑर्गन डोनेशन रेट 0.5 प्रति मिलियन जनसंख्या है

-जबकि विकसित देशों में यह आंकड़ा 20-40 प्रति मिलियन तक है

ब्लड डोनेशन के मामले में भी:

-भारत को हर साल लगभग 1.4 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है

-स्वैच्छिक रक्तदान अब भी जरूरत से बहुत कम है

यहाँ यह तथ्य नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों की रीढ़ सामाजिक और धार्मिक संगठन हैं, जिनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज को छोड़कर हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई एवं अन्य संस्थाएँ सक्रिय रही हैं।

वैश्विक इस्लामी परिप्रेक्ष्य: जहाँ जीवन बचाना प्राथमिकता है

दुनिया के कई प्रमुख मुस्लिम-बहुल देशों – जैसे सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (दुबई), तुर्क और ईरान में:

-अंगदान पूरी तरह कानूनी और संस्थागत रूप से स्वीकृत है

-ब्लड बैंक सरकार द्वारा संचालित और व्यवस्थित हैं

-इस्लामी विद्वानों द्वारा कई बार स्पष्ट किया गया है कि

जरूरतमंद की जान बचाना सर्वोच्च कर्तव्य (फ़र्ज़) है

ईरान जैसे देश में तो ऑर्गन ट्रांसप्लांट सिस्टम इतना विकसित है कि वह क्षेत्र में मॉडल माना जाता है।

इसका सीधा अर्थ है कि

इस्लाम की मूल शिक्षाओं में अंगदान या रक्तदान निषेध नहीं है,

बल्कि परिस्थितियों के अनुसार इसे स्वीकार किया गया है।

यहाँ यह प्रश्न स्वाभाविक है:

जब अन्य इस्लामी देश विज्ञान और मानवता के साथ खड़े हो सकते हैं,

तो भारत में कुछ समूह समाज को भय और संदेह की ओर क्यों धकेल रहे हैं?

भारत में अलग व्यवहार क्यों?

यही सबसे बड़ा प्रश्न है –

अगर वही धर्मः

-सऊदी अरब में अंगदान की अनुमति देता है

-दुबई में ब्लड डोनेशन कैंप चलाता है

-ईरान में ट्रांसप्लांट सिस्टम को समर्थन देता है

तो भारत में कुछ लोग इसे धार्मिक रूप से गलत कैसे बता देते हैं?

यहाँ समस्या धर्म नहीं, बल्कि

स्थानीय स्तर पर फैली गलतफहमियाँ, अधूरी जानकारी और सामाजिक नेतृत्व की कमी है।

'काफिर' तर्क और उसका व्यावहारिक विरोधाभास

अक्सर एक तर्क यह भी सुनने को मिलता है कि

इस्लाम में काफिर (गैर-मुस्लिम) से संबंध सीमित रखने की बात कही जाती है, और इसी आधार पर अधिकतर लोग रक्तदान या अंगदान से बचते हैं।

लेकिन यहाँ एक बुनियादी सवाल खड़ा होता हैः

अगर काफिर से लेना या देना गलत है,

तो फिर –

-अस्पताल में इलाज के दौरान

-ब्लड ट्रांसफ्यूजन के समय

-ऑर्गन ट्रांसप्लांट के समय

यह भेदभाव क्यों नहीं किया जाता? जिन्हें तुम काफ़िर समझते हो, उनका खून अगर तुम्हारी रगों में बह रहा है, तो ये खुदा को कैसे मंज़ूर होगा?

वास्तविकता यह है कि:

-आपात स्थिति में मरीज धर्म नहीं, जीवन देखता है

-डॉक्टर मानव शरीर की जरूरत देखता है, न कि आस्था

इसलिए यह कहना कि

लेना ठीक है, लेकिन देना गलत है न तो धार्मिक दृष्टि से तार्किक है और न ही नैतिक दृष्टि से सही है।

आस्था बनाम अतिवाद: समस्या कहाँ है?

यह लेख किसी धर्म के विरुद्ध नहीं है, बल्कि धार्मिक कट्टरता (रिलीजियस एक्सट्रेमिसम) के विरुद्ध है – जो आस्था को डर और भ्रम में बदल देती है।

भारत में यह देखा गया है कि:

-कुछ कट्टरपंथी विचारधाराएँ ब्लड और ऑर्गन डोनेशन को धार्मिक रूप से संदिग्ध बताकर लोगों को रोकती हैं

-जबकि इस्लामी जगत के कई देशों में यही कार्य धार्मिक अनुमति और सरकारी समर्थन के साथ हो रहा है

यह विरोधाभास सोचने पर मजबूर करता है – अगर धर्म वही है, तो व्यवहार इतना अलग क्यों?

धार्मिक कट्टरता का दुष्परिणाम

धार्मिक कट्टरता का सबसे बड़ा नुकसान यह है किः

-वह व्यक्ति को सोचने से रोकती है

-समाज को टुकड़ों में बाँटती है

-और विज्ञान को षड्यंत्र बताती है

जब कट्टरता यह सिखाती है किः

-फलाँ धर्म का खून स्वीकार्य नहीं

-अंगदान से आत्मा को नुकसान होगा

तो वह न केवल संविधान के विरुद्ध जाती है, बल्कि मानवता के भी।

विज्ञान का स्पष्ट उत्तर

मेडिकल साइंस के अनुसारः

-रक्त का कोई धर्म नहीं होता

-अंगों पर कोई मज़हबी टैग नहीं लगा होता

-ट्रांसप्लांट से आत्मा या पहचान प्रभावित नहीं होती

अस्पताल में मरीज़ की जान बचाते समयः

-डॉक्टर धर्म नहीं पूछता

-ब्लड बैंक जाति नहीं देखता

तो फिर समाज में यह भेद क्यों?

कानून की भूमिकाः अब सख्ती क्यों ज़रूरी है?

आज भारत मेंः

-ब्लड डोनेशन पूरी तरह स्वैच्छिक है

-ऑर्गन डोनेशन में जागरूकता और प्रक्रिया दोनों कमजोर हैं

अब समय आ गया है किः

-स्कूल और कॉलेज स्तर पर ऑर्गन डोनेशन शिक्षा अनिवार्य हो

-अस्पतालों में डिजिटल ऑर्गन डोनर रजिस्ट्रेशन हो

-मृत्यु के बाद अंगदान पर ऑप्ट-आउट मॉडल पर गंभीर बहस हो

-और जानबूझकर भ्रम फैलाने वालों पर कानूनी कार्रवाई हो

यह धर्म-विरोध नहीं, जीवन-संरक्षण नीति है।

जीवन सबसे बड़ा धर्म

भारत एक ऐसा देश है जहाँः

-सभी धर्मों की मूल भावना सेवा और करुणा है

-लेकिन अतिवाद इन मूल्यों को धुंधला कर देता है

आज ज़रूरत हैः

-आस्था को विवेक से जोड़ने की

-धर्म को मानवता से ऊपर न रखने की

-और यह समझने की कि जीवन बचाना किसी एक धर्म का नहीं, पूरे समाज का कर्तव्य है

क्योंकि अंततः,

जिस खून से किसी की साँसें चलती हैं, वह केवल इंसान का खून होता है।

अंतिम प्रश्नः समाज खुद से जवाब मांगे

आज समय आ गया है कि समाज खुद से कुछ कठोर प्रश्न पूछेः

-क्या हम अपने ही लोगों को केवल भ्रम के कारण मरने देंगे?

-क्या हम दान लेने में तो आगे रहेंगे, लेकिन देने से पीछे हटेंगे? अगर लेना जायज़ है, तो देना गुनाह कैसे हो गया – या फिर यह सिर्फ संकीर्ण स्वार्थी सोच है?

-क्या हम धर्म के नाम पर मानवता को कमजोर करेंगे?

यदि इन सवालों का जवाब नहीं है, तो फिर बदलाव भी हमें ही लाना होगा।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

कृषि विभाग ने बीकानेर जिले में 65 उर्वरक विक्रेता प्रतिष्ठानों की जांच की

बीकानेर, (निसं)। किसानों को समय पर और सही उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग ने जिले में बड़ा एक्शन लिया है। यूरिया के डायवर्जन और जमाखोरी की आशंकाओं के बीच चलाए गए विशेष अभियान में 65 उर्वरक विक्रेता प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनियमितताएं मिलने पर 27 फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, जबकि 3 फर्मों के लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल के निर्देशों पर चलाए गए इस अभियान में अतिरिक्त निदेशक (कृषि) त्रिलोक कुमार जोशी और संयुक्त निदेशक मदनलाल के नेतृत्व में टीमों ने जिलेभर में सघन जांच की। अभियान के दौरान 212 में से 65 उर्वरक विक्रेताओं के यहां औचक निरीक्षण किया गया। पीओएस मशीन के जरिए स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें कई जगह रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में अंतर पाया गया। इसके चलते संबंधित फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। यह कार्रवाई केवल यह सुनिश्चित करने के लिए है कि उर्वरक सही किसानों तक पहुंचे और किसी भी स्तर पर कालाबाजारी या अवैध परिवहन न हो। विभाग ने यह भी साफ किया है कि उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाली फर्मों के खिलाफ लाइसेंस निलंबन, निरस्तीकरण और एफआईआर जैसी कार्रवाई की जाएगी। अभियान में कृषि विभाग के सुरेन्द्र मारू, राजू राम डोगीवाल, गिरीराज चारण, रामनिवास गोदारा, संगीता मेहता, कविता गुप्ता, सोमेश तंवर और मेघराज बंजारा सहित कई अधिकारी और पर्यवेक्षक शामिल रहे। उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि धरती माता बचाओ और आपणो खेत-आपणी खाद अभियानों के तहत किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। हरी खाद और जैविक खाद के उपयोग से मृदा स्वास्थ्य बेहतर होगा और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी।

राशिफल

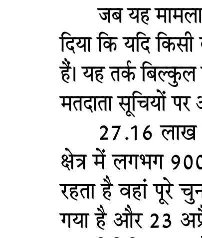

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 14 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, शतभिषा नक्षत्र सायं 4:06 तक, शुक्ल योग दिन 3:39 तक, कौलव करण दिन 12:4 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज त्रिपुष्कर योग सायं 4:06 से रात्रि 12:13 तक है। आज वैशाख संक्रांति, सूर्य मेष राशि में प्रवेश प्रातः 9:32 पर करेगा। पुण्य काल दिन 3:36 तक है। मीन मास समाप्त होगा। आज पंचक, वैशाखी, विशु (केरल) है। आज डा.अम्बेडकर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:18 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 2:02 तक, शुभ 3:37 से 5:11 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:08, सूर्यास्त 6:46

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर
135वां जयन्ती समारोह

पेंशन एवं पालनहार योजना के लाभार्थियों को 1,363 करोड़ रुपए का हस्तान्तरण

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

लोकार्पण / शिलान्यास / शुभारम्भ / वितरण

- 10 छात्रावास भवनों का लोकार्पण एवं 17 का शिलान्यास
- AI आधारित हैल्पडेस्क 'समाधान साथी' का शुभारम्भ
- दिव्यांगों को कृत्रिम सहायक अंग वितरण
- स्वयंसिद्धा परिसर, जामडोली में लाइब्रेरी का वर्चुअल उद्घाटन
- कन्यादान योजना के लाभार्थियों को राशि वितरण
- मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे के साथ एम.ओ.यू.

राजस्थान संवाद

14 अप्रेल, 2026 | प्रात: 10.30 बजे | भवानी निकेतन परिसर, सीकर रोड, जयपुर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान

उदयपुर में तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, तीन युवकों की मौत

बाइक सवार सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर बस्सी लौट रहे थे

- हादसे में दो युवकों के हाथ-पैर टूटे, एक का सिर फटा, सभी उछलकर दूर जा गिरे
- माना जा रहा है कि रात में वाहनों की लाइट अचानक आंखों पर पड़ने से हादसा हुआ है

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के फलासिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 58ई पर बिछीवाड़ा गांव के पास रविवार देर रात तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि सभी उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। दो के हाथ-पैर टूट गए और शरीर में गंभीर चोटें लगी। वहीं तीसरे का सिर फट गया, जिसे हॉस्पिटल पहुंचाया गया है। दोनों की बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

थाना प्रभारी चंदूलाल ने बताया कि सूचना पर फलासिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों मृतकों के शवों को झाडोल सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं घायल का इलाज जारी है। मृतक की पहचान अनिल कटारा, अक्षय अंगारी, यशवंत हिमात के रूप में हुई है। वहीं मोहित अंगारी घायल है। सोमवार सुबह मृतकों की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी गई। तीनों मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए गए। उन्होंने बताया कि बताया कि मृतक अक्षय, अनिल और मोहित तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। तीनों ओडा गांव में एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस अपने घर बस्सी लौट रहे थे। दूसरी बाइक पर बोरिया गांव निवासी यशवंत उदयपुर आ रहा था। दोनों की आपस में टक्कर हुई। माना जा रहा है कि देर रात में वाहनों की लाइट अचानक आंखों पर पडने से आमने.सामने की टक्कर हुई है। बाकी मामले में जांच कर रहे हैं। यशवंत उदयपुर में एक होटल में कुक का काम करता है, जबकि अक्षय,अनिल, और मोहित मजदूरी करते हैं।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म व ब्लैकमेल के मामले में दो गिरफ्तार

दोनों आरोपियों ने लंबे समय तक पीड़िता को डराकर शोषण किया

अजमेर, (निसं)। शहर में पुलिस ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म और अश्लील फोटो व वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने के गंभीर मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई राजस्थान पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित कर की गई।

कृष्णगंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मामला थाना कृष्णगंज में दर्ज किया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि एक आरोपित, जो जनाना अस्पताल में कार्यरत था, ने पीड़िता का मोबाइल नंबर लेकर उससे संपर्क किया और भरोसा जीतकर उसे अपने झांसे में लिया। बाद में आरोपी ने पीड़िता को धमकाकर गलत काम किया और आपत्तिजनक सामग्री बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी। इसी दौरान दूसरे आरोपी जो ई-मित्र संचालक है, ने भी पीड़िता के फोन से सामग्री हासिल कर उसे ब्लैकमेल किया और कई बार दुष्कर्म किया। दोनों आरोपियों ने मिलकर लंबे समय तक पीड़िता को डराकर उसका शोषण किया।

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है और जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में यदि अन्य किसी की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। कृष्णगंज थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि इस मामले में अनुसंधान में हेड कांस्टेबल करतार सिंह का विशेष योगदान रहा।

आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा पकड़ा, पांच जनों को दबोचा

25 मोबाइल, 2 लैपटॉप और नकदी सहित बड़ी मात्रा में सट्टा सामग्री जब्त की

नोखा, (निसं)। थाना पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने महावीर चौक स्थित एक बिल्डिंग से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 25 मोबाइल, 2 लैपटॉप और 47,500 रुपए नकद सहित बड़ी मात्रा में सट्टा सामग्री जब्त की गई है।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने सोमवार को नोखा थाने में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। यह कार्रवाई संगठित अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस महानिरीक्षक बीकानेर रेंज ओमप्रकाश और पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बनवारीलाल मीणा तथा वृताधिकारी नोखा जरनैल सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी अरविंद कुमार पुनि के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर 12 अप्रैल को महावीर चौक स्थित एक बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर दबिश दी गई। यहां आरोपी आईपीएल में चल रहे बेंगलुरु और मुंबई के मैच पर ऑनलाइन सट्टा खेलते हुए रंगे हाथों पकड़े गए। पुलिस ने सभी आरोपियों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 25 मोबाइल फोन, 3 चार्जर, 2 लेपटॉप, 1 लेपटॉप चार्जर, 32 डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नकदी, 2 लाइट प्लेट और दो हिसाब-किताब की डायरियां जब्त की है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान चांदरतन सोनी निवासी महावीर चौक, नोखा, गजानंद प्रजापत निवासी कुम्हारों का चौक, नोखा, अभिषेक प्रजापत निवासी बालाजी नगर, नोखा, विष्णु सोनी निवासी डांगियावास, जोधपुर और ताराचंद प्रजापत निवासी नागौर, हाल नोखा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध और जुआ अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया है। उन्हें न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में अन्य संलिप्त आरोपियों के संबंध में अनुसंधान जारी है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर में नाबालिग से रेप के मामले में 20 साल के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर साथ ले गया था। इसके बाद वह उसे अलग-अलग जगह ले जाकर कई महीनों तक दुष्कर्म करता रहा। बाद में उसे छोड़कर फरार हो गया। थाना प्रभारी के अनुसार, पीड़िता ने अपनी बहन के साथ 17 मार्च को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि करीब 8 महीने पहले उसकी आरोपी युवक से जान-पहचान हुई थी। जो शादी का झांसा देकर घर से अपने साथ ले गया। पहले गोविंदगढ़ लेकर गया और फिर अलग-अलग स्थानों पर रखकर शादी का भरोसा दिलाते हुए रेप करता रहा। करीब एक महीने पहले आरोपी उसे छोड़कर फरार हो गया था, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की और आरोपी को रविवार को अरेस्ट कर सोमवार को मेडिकल करवाकर कोर्ट में पेश किया।

बीकानेर में ओवरलोड ट्रक से ज्यादा पैसे मांगने पर टोलकर्मियों को पीटा, पांच गिरफ्तार

टोल स्टाफ के कुछ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल, हॉस्पिटल में भर्ती कराया

- ड्राइवर समेत ट्रक में सवार अन्य साथियों ने टोल प्लाजा पर खड़ी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की और पत्थर आदि फेंके
- घटना बीकानेर से पंजाब जाने वाले नेशनल हाईवे पर हरियासर टोल प्लाजा पर हुई

बीकानेर, (निसं)। ओवरलोड ट्रक से ज्यादा टोल शुल्क मांगने पर ड्राइवर गुस्सा हो गए। लाठी- सरिये लेकर ट्रक से नीचे उतरे और टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट कर दी। ड्राइवर समेत ट्रक में सवार अन्य साथियों ने टोल प्लाजा पर खड़ी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की और पत्थर फेंके। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ओवरलोड ट्रक से उतरे लोग मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना बीकानेर से पंजाब जाने वाले नेशनल हाईवे पर हरियासर टोल प्लाजा पर सोमवार सुबह करीब 9 बजे हुई। लूणकरनसर थाना पुलिस ने मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि टोल कर्मचारियों को पीटा और टोल प्लाजा पर गाड़ियों में आग लगाने की भी कोशिश की।

टोल कर्मचारियों ने पुलिस को रिपोर्ट दी है और बताया कि लेन न. 1 में सुबह करीब 9 बजे ड्राइवर समेत तीन युवक ओवरलोड ट्रक लेकर टोल प्लाजा पहुंचे थे। टोल शुल्क को लेकर उनका कर्मचारियों से विवाद हो गया। इसके बाद तीनों युवक गाली-गलौज करने लगे, फिर लाठी-सरिये लेकर मारपीट की, पत्थर फेंके। टोल कर्मचारियों का कहना है कि ट्रक से उतरे लोगों ने टोल प्लाजा पर खड़ी गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचाया और उनमें आग लगाने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी युवकों के साथियों का दूसरा ट्रक भी टोल प्लाजा पहुंचा और उसमें सवार लोग भी उतरकर मारपीट करने लगे। इस दौरान टोल स्टाफ के कुछ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए है, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है। टोल मैनेजर से मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात काबू में किए।

लूणकरनसर थानाधिकारी गणेश विश्नोई का कहना है कि मामले में 5 लोगों को शांतिभंग करने के मामले में गिरफ्तार किया है। इनमें अलादिता, सलीम, अलार खां, सलीम पुत्र सादक अली, असिफ शामिल है। सभी हनुमानगढ़ के रहने वाले हैं। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी के ट्रक ओवरलोड थे, जिनसे टोल कर्मचारियों ने ज्यादा टोल शुल्क मांगा था, इसी कारण ट्रक में सवार लोग गुस्सा हो गए थे और लाठी-सरियों से मारपीट करने लगे थे। हालांकि मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली। फिलहाल जांच की जा रही है।

जोधपुर : घूस लेने के आरोपी आर्मी इंजीनियर को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

- जयपुर में पचास हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर सुधांशु सुमन
- सीबीआई ने आरोपी से पूछताछ कर बैंक खाते, प्रॉपर्टी के कागजात, डिजिटल रिकॉर्ड और ट्रांजैक्शन डिटेल्स से जुड़ी कई जानकारियां जुटाई

जोधपुर, (कासं)। जयपुर में पचास हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर सुधांशु सुमन को दो दिन की रिमांड अवधि पूरी होने पर सीबीआई की टीम ने जोधपुर की विशेष कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 27 अप्रैल तक न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इससे पहले शनिवार को गिरफ्तारी के बाद सीबीआई टीम उसे जयपुर से जोधपुर लेकर पहुंची थी। इधर आरोपी की संपत्तियों की जांच शुरू हो गई है।

जानकारी के अनुसार नौकरी जॉइन करने के एक साल बाद ही आरोपी इंजीनियर ने बिहार के भागलपुर में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए कीमत का एक आलीशान बंगला खरीदा। इसके बाद 30 लाख रुपए की कार खरीद ली। बिहार के रहने वाले आरोपी सुधांशु सुमन ने साल 2019 में देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद साल 2023 में उसने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज में एजीई (ग्रुप ए ऑफिसर) के रूप में जॉइन किया। जयपुर के निवारू आर्मी कैंट में असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर (एजीई) के पद पर तैनाती के दौरान उसके जिम्मे सैन्य क्षेत्र के विभिन्न निर्माण कार्यों और उनसे जुड़े बिलों की तकनीकी जांच व पासिंग जैसे अहम काम थे। इन्हीं अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए उसने कथित तौर पर भ्रष्टाचार का रास्ता अपना लिया।

सूत्रों के मुताबिक दो दिन की रिमांड के दौरान सीबीआई ने आरोपी से लंबी पूछताछ की है। इस दौरान उसके बैंक खाते, प्रॉपर्टी के कागजात, डिजिटल रिकॉर्ड और ट्रांजैक्शन डिटेल्स से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई गई हैं। गिरफ्तारी के बाद जयपुर स्थित आवास की तलाशी में तीन लाख रुपए की नकदी भी बरामद हुई थी। इन संपत्तियों और घोषित आय के बीच बड़े अंतर को देखते हुए अब आय से अधिक संपत्ति के एंगल से भी जांच की जा रही है। इसके लिए आरोपी की सैलरी, इनकम टैक्स रिटर्न और लोन के कागजों की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि जोधपुर सीबीआई डीआईजी राजवीर सिंह के निर्देशन में टीम ने जयपुर में यह ट्रैप कार्रवाई की थी। परिवादी ने शिकायत दी थी कि सुधांशु सुमन उसका 35 लाख रुपए बकाया के बिल पास करने के लिए 90 हजार रुपए की घूस मांग रहा था। 10 अप्रैल को यह सौदा तय हुआ और 11 अप्रैल को जब आरोपी 50 हजार रुपए की पहली किश्त ले रहा था, तभी सीबीआई टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया।

ट्रेलर-ट्रैक्टर की भिड़ंत में एक मौत

जोधपुर, (कासं)। देचू थाना क्षेत्र सेतरावा में हुए एक भीषण सड़क हादसे में ट्रेलर चालक की मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कानोड़िया महासिंह सरहद में सेतरावा-भणियाणा देवीकोट ग्रिप हाईवे पर हुई।

जानकारी के अनुसार सेतरावा से फलसूंड की ओर जा रहे एक ट्रेलर और सामने से आए ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर ड्राइवर मंडा भाखरी, कोटपुतली निवासी श्योमराम जाट केबिन में फंस गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर ड्राइवर कानोड़िया महासिंह निवासी आरब खान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत सेतरावा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर दो हिस्सों में बंट गया। वहीं, ट्रेलर का अगला हिस्सा एक क्वार्टर में घुस गया।

बीकानेर कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली

- पुलिस टीम, डॉग स्क्वॉड ने मौके पर पहुंचकर जांच की, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर शहर के अदालत परिसर को ई-मेल पर एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। एहतियातन कोर्ट परिसर को खाली कराकर पुलिस और प्रशासन ने घेराबंदी करते हुए सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। ई-मेल में लिखा था कि मौत की सजा पाने वाले पुलिसकर्मी बेकसूर थे। असली दोषी वे राजनीतिक आका और पुलिस प्रमुख हैं, जो तमिलनाडु के मंत्रियों के इशारे पर निचले स्तर के पुलिसकर्मियों पर दबाव डालते हैं कि वे इस तरह की कस्टोडियल यातनाएं दें या गैर कानूनी आदेशों का पालन करें।

एक महीने में दूसरी बार मिली इस धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इससे पहले मार्च के पहले सप्ताह में भी बीकानेर और लूणकरनसर कोर्ट परिसर को ई-मेल के जरिए धमकी मिल चुकी है। बीकानेर कोर्ट की ऑफिशियल मेल आईडी पर 12 अप्रैल की रात 9:39 बजे धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें कोर्ट को तुरंत खाली करने की चेतावनी दी गई। सूचना मिलते ही सोमवार सुबह सदर थाना पुलिस सबसे पहले मौके पर पहुंची। इसके बाद डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया, जिसने कोर्ट परिसर का चप्पा-चप्पा खंगाला, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इससे पहले मार्च माह में भी बीकानेर कोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके अलावा शहर के हेड पोस्ट ऑफिस को भी दो बार इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियां पहले से सतर्क हैं।

धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य जांच एजेंसियां मौके पर पहुंची। पूरे परिसर में गहन तलाशी अभियान चलाया गया और संदिग्ध वस्तुओं की जांच की गई। साथ ही कोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

बीकानेर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय पुरोहित ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि पहले मिली धमकी के आरोपी का अब तक पता नहीं चल सका है और एक बार फिर ऐसी घटना सामने आई है। उन्होंने मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।

ओएलएक्स पर फोन बेचने का झांसा देकर ठगी की, युवक हिरासत में

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती डांगियावास के रसीदा गांव में रहने वाले एक युवक ने इंस्टाग्राम की फर्जी आईडी और सिम का उपयोग कर लोगों को अपनी धोखाधड़ी का शिकार बनाया। वह लोगों को ओएलएक्स पर नया फोन बेचने का झांसा देता फिर कोरियर और फोन बुकिंग के नाम पर ठगी करता। कई लोगों की शिकायत के बाद पुलिस ने आईटी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

डांगियावास पुलिस थानाधिकारी दौलाराम ने बताया कि रसीदा गांव के रविंद्र के खिलाफ यह केस दर्ज हुआ है। 7-8 लोगों ने शिकायत दी थी। इस पर उसके खिलाफ धोखाधड़ी एवं आईटी का केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि वह इंस्टाग्राम पर फर्जी सिम को काम में लेकर आईडी बनाता है। वह नया फोन बेचने के लिए ओएलएक्स पर डालता। जब कोई संपर्क करता तो पहले बुकिंग के नाम पर 500 रूपए ले लेता, फिर कोरियर के नाम पर पांच सौ हजार रूपए और लेता। फर्जी तरीका अपनाकर बाद में लोगों को दिलासा देता कि उसकी तरफ से फोन कोरियर कर दिया गया है। वापिस भेजने के नाम पर फिर रूपए ऐंठ लेता। इस तरह उसने 7-8 लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया है। तकरीबन एक डेढ़ लाख का फ्रॉड का पता लगा है। अभी उससे पूछताछ जारी है, गिरफ्तार नहीं किया गया है।

सूने मकान से जेवर चोरी

उदयपुर, (कासं)। कुराबड़ थाना क्षेत्र के बंबोरा में चोरों ने घर में घुसकर चोरी की। चोरों ने मात्र आधे घंटे के अंदर घर में घुसकर आधा किलो चांदी के जेवर, एक तोला सोने के आभूषण और 5 हजार रुपए चुरा ले गए। घटना रविवार रात में हुई, जब पूरा परिवार घर से महज सौ मीटर दूर मोहल्ले में चल रहे शादी के लग्न समारोह में व्यस्त था। चोरों ने पहले घर के मेन गेट का ताला तोड़ा, फिर कमरे का ताला तोड़कर अलमारी से जेवर और नकदी निकाल ली।

जोधपुर में डीजीपी राजीव शर्मा ने बैठक लेकर क्राइम पर समीक्षा की

- सायबर अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होगी और आम जनता को तुरंत राहत देने पर फोकस रहेगा : डीजीपी शर्मा
- डीजीपी शर्मा ने आम जनता से भी अपील की कि पुलिस को समय पर सूचना और सहयोग दें

जोधपुर, (कासं)। राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने कानून-व्यवस्था और बढ़ते सायबर अपराधों को लेकर पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभाग की नई रणनीति साझा करते हुए साफ किया कि अब सायबर अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होगी और आम जनता को तुरंत राहत देने पर फोकस रहेगा।

जानकारी के अनुसार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव शर्मा सोमवार को जोधपुर दौरे पर रहे, जहां उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था और बढ़ते सायबर अपराधों को लेकर विभाग की भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। डीजीपी राजीव शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सायबर ठगी और डिजिटल अपराधों पर नियंत्रण पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य सरकार द्वारा पहले ही प्रत्येक जिले में सायबर थाना स्थापित किया जा चुका है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डीजीपी शर्मा ने कहा कि विभाग की योजना अब जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि हर सामान्य थाने में भी प्रशिक्षित पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे, जो सायबर अपराध की स्थिति में तुरंत कार्रवाई कर सकेंगे। इसका उद्देश्य आम जनता को त्वरित न्याय दिलाना और डिजिटल ठगी के शिकार लोगों को समय पर मदद उपलब्ध कराना है।

डीजीपी शर्मा ने पुलिसिंग में सुधारों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि स्वागत कक्षों के आधुनिकीकरण और रात्रि गश्त को मजबूत करने से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फरियादियों की समस्याओं को संवेदनशीलता और शीघ्रता से सुना जाए। डीजीपी शर्मा ने आम जनता से भी अपील की कि पुलिस को समय पर सूचना और सहयोग दें, इससे कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। पत्रकारों से बातचीत के बाद पुलिस महानिदेशक पचपदरा रिफाइनरी के लिए रवाना हो गए।

जोधपुर में हैड कांस्टेबल की बेटी ने फंदा लगाकर खुदकुशी की

घटना के समय हैड कांस्टेबल लूणी नाके पर तैनात थे, सुबह जब घर लौटे तब घटना का पता लगा

- युवती के फोन पर शनिवार की रात किसी शख्स द्वारा 40-42 कॉल आ रखे थे, इस आधार पर एक युवक को नामजद किया
- मृतका ने बीएसटीसी कर रही थी और अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी कर रही थी, मौके पर कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला

जोधपुर, (कासं)। पुलिस लाइन में तैनात एक हैड कांस्टेबल की 22 साल की पुत्री ने महामंदिर एरिया में क्वार्टर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय हैड कांस्टेबल लूणी नाके पर तैनात थे। सुबह ड्यूटी से घर लौटे तब घटना का पता लगा। बेटी के फोन पर शनिवार की रात किसी शख्स द्वारा 40-42 कॉल आ रखे थे। इस आधार पर एक युवक को नामजद कर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने का केस दर्ज कराया गया है।

महामंदिर थाने के एसआई मेहराजराम ने बताया कि पुलिस लाइन में तैनात एक हैड कांस्टेबल यहां महामंदिर एरिया में सरकारी क्वार्टर में रहते हैं। पत्नी और अन्य बच्चे गांव में है, जबकि 22 वर्षीय पुत्री उनके साथ में रहती थी। पुत्री ने बीएसटीसी कर रखी थी। 11 अप्रैल की रात को हैड कांस्टेबल की ड्यूटी लूणी नाके पर थी। शाम सात से वह अपनी ड्यूटी पर चले गए थे। रविवार की सुबह सात बजे ड्यूटी खत्म कर क्वार्टर पर लौटे तो वह अंदर से बंद मिला। तब बाद में पुलिस को सूचना दिए जाने के साथ ही क्वार्टर के पीछे जाकर खिड़की तोड़कर प्रवेश करने पर पता लगा कि बेटी ने चुन्नी से फँदा लगा लिया है।

एसआई मेहराजराम ने बताया कि हैड कांस्टेबल ने उनके गांव के एक युवक भंवरूराम के खिलाफ केस दर्ज कराया है। शनिवार की रात को उसके द्वारा 40-42 मिस्ड कॉल आ रखे थे। बेटी का फोन लॉक होने से सोशल मीडिया संबंधी जानकारी नहीं मिल पाई है। मृतका ने बीएसटीसी कर रही थी और अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी कर रही थी। क्वार्टर के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

युवक की हत्या मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में अब दो आरोपी फरार हैं।

जानकारी के अनुसार शहर के घंटाघर थाना क्षेत्र स्थित बिछूघाटी में सात अप्रैल की शाम को वारदात हुई थी। पांच आरोपियों ने साहिल उर्फ सुहानी पुत्र आरिफ पर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद अस्पताल ले जाते वक्त साहिल की मौत हो गई थी। हत्याकांड में पुलिस ने सोमवार को तीसरे आरोपी जोएब खान उर्फ अक्कू को गिरफ्तार किया। जोएब ने मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर नईम को फोन कर साहिल और जिशान के खिलाफ उकसाया था। इससे पहले मामले में पांच आरोपियों में से गौरव सिंह चौहान उर्फ बिट्टू और मोहम्मद सुहान डायर गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि हिस्ट्रीशीटर नईम उर्फ नईमुद्दीन और हिस्ट्रीशीटर कुंदन फरार हैं। कुंदन के खिलाफ विभिन्न थानों में डेढ़ दर्जन और नईम के खिलाफ एक दर्जन मामले दर्ज हैं। गौरतलब है कि जोएब खान उर्फ अक्कू की 7 अप्रैल को जिशान उर्फ हड्डी से कहासुनी हुई थी। नईम और कुंदन अपने अन्य साथियों के साथ 7 अप्रैल की देर रात बिच्छू घाटी पहुंचे, जहां साहिल उर्फ सुहानी पर चाकू से हमला कर दिया था। साहिल बेसुध हालत में जमीन पर गिर गया। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई थी।

जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
कार्यालय महानिदेशक

क्रमांक :- प.3 () जकके/भण्डार अनुभाग/2026-27/1565, 1586 दिनांक :- 09/04/2026

जवाहर कला केन्द्र में स्थापित स्टेज लाईट एवं उपकरणों से संबंधित काम्प्रेहेंसिव रखरखाव का कार्य (मय समस्त सामग्री सहित यथा वायरिंग, कन्सोल, डी.एम.एक्स लाईन, डिमर्स, लैन्स, सोकेट विथ एम.सी.बी. आदि एवं बल्ब का अतिरिक्त देय होगा) का कार्य हेतु खुली निविदा आंमत्रित की जाती है।

UBN : JKK2627SSOB00004, NIB : JKK2627A0004

जवाहर कला केन्द्र में स्थित पावर हाउस में स्थापित उपकरणों एवं शिल्पग्राम व दक्षिण परिसर में लगी हाईमास्क लाईटों का वार्षिक अनुरक्षण एवं रखरखाव का कार्य हेतु ई-निविदा आंमत्रित की गई है। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्तें https://sppp.rajasthan.gov.in or https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB : JKK2526A0003, UBN : JKK2627SLOB00003

राज.संवाद/सी/26/758 अतिरिक्त महानिदेशक (प्रशा.)

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 10 दिनांक :- 10/04/2026

निविदा सूचना संख्या : 1/2026-27

एम.आई.जी. बी 200 फ्लैट (बी+एस +10) भृगुपथ मानसरोवर जयपुर में फायर सुपरसेशन का संतुलन कार्य हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 17.03.2026 से 27.04.2026 सायं 6.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का अन्य विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in and https://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No.:- RHB2627WSOB00017

राज.संवाद/सी/26/770 उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय, जयपुर

जयपुर में यादगार से सांगानेर तक बनेगा मॉडल ट्रैफिक कॉरिडोर

देश के प्रमुख महानगरों की यातायात व्यवस्था का अध्ययन करके बनाई जयपुर की रूपरेखा

- ट्रैफिक पुलिस की बदलेगी वर्दी, यातायात जाम की स्थिति का आंकलन करने के लिए ड्रोन का उपयोग भी किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री भजनलाल के निर्देश पर इस इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को चरणबद्ध रूप से राजधानी में लागू किया जाएगा।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष प्लान तैयार किया है। इस प्लान के तहत ट्रैफिक पुलिस में ट्रैफिक इंस्पेक्टर से लेकर एडिशनल डीसीपी के पदों में बढ़ोतरी की जाएगी। साथ ही ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता सुधार के लिए उनकी वर्दी बदलेगी। अभी व्हाइट रंग से बदलते हुए नए कलर की वर्दी दी जाएगी। ट्रैफिक पुलिस बेड़े के ट्रैफिक इंस्पेक्टर्स को 20 मॉडिफाइड मोटरसाइकिलें मिलेंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने देश के प्रमुख महानगरों की यातायात व्यवस्थाओं का अध्ययन एवं फील्ड विजिट करने के बाद समीक्षा कर व्यापक सुधार की रूपरेखा बनाई है। इस इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को चरणबद्ध रूप से शहर में लागू किया जाएगा। साथ ही अजमेरी गेट स्थित यादगार से सांगानेर तक मॉडल ट्रैफिक कॉरिडोर के रुप में विकसित किया जाएगा। ट्रैफिक की निगरानी एवं जाम की स्थिति का आंकलन करने के लिए ड्रोन का उपयोग भी किया जाएगा।

प्लान के तहत शुरुआती चरण में टोंक रोड को यादगार से सांगानेर तक मॉडल ट्रैफिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। इस कॉरिडोर पर नगर निगम और जेडीए के कॉर्डिनेशन से अलग-अलग काम करवाए जाएंगे।

इसमें सड़क डिजाइन में आवश्यक सुधार करते हुए असुरक्षित कट्स (मीडियन ओपनिंग) को बंद किया जाएगा। पैदल यात्रियों के लिए सेफ फुटपाथ का निर्माण, यू-टर्न और क्रॉसिंग पॉइंट्स का टेक्निकली कार्य शामिल किए जाएंगे। ट्रैफिक सिग्नल की टाइमिंग को भी रीयल टाइम यातायात दबाव के अनुसार डायनेमिक बनाया जाएगा।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर्स को मिलेंगी 20 बाइक

जयपुर ट्रैफिक पुलिस के बेड़े में 20 मॉडिफाइड मोटरसाइकिलें भी शामिल होंगी। यह मोटरसाइकिल ट्रैफिक इंस्पेक्टर्स को मिलेंगी। इन्हें विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इससे ट्रैफिक इंस्पेक्टर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में तेज मूवमेंट कर सकेंगे। ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग भी बढ़ाया जाएगा। इसमें अभय कमांड सेंटर से जुड़े अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों की स्थापना शामिल है। इससे रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी।

72 ट्रैफिक बीट में बंटेगी जिम्मेदारी

जयपुर शहर को 72 ट्रैफिक बीट्स में विभाजित करने से प्रत्येक क्षेत्र में स्पष्ट जिम्मेदारी निर्धारित हो सकेगी। प्रत्येक बीट में कार्मिकों की संख्या बढ़ाने के साथ ही उनकी तैनाती को तर्कसंगत बनाया जाएगा। इससे पीक ऑवर्स में प्रभावी यातायात नियंत्रण एवं त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी। यातायात प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए बीट स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग, रिपोर्टिंग एवं जवाबदेही की प्रणाली विकसित होगी।

ट्रैफिक पुलिस में अफसरों के पदों की संख्या बढ़ाई

नए प्लान के तहत ट्रैफिक पुलिस के प्रशासनिक ढांचे में भी बदलाव होगा। अब जयपुर शहर में अब एडीसीपी (ट्रैफिक) के पदों की संख्या 2 से बढ़ाकर 4 करने से जयपुर शहर के प्रत्येक पुलिस जिले में एक-एक एडीसीपी (ट्रैफिक) की तैनाती सुनिश्चित होगी। इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी आएगी तथा बेहतर निरीक्षण संभव होगा।

इसी प्रकार एसीपी (ट्रैफिक) के पदों की संख्या भी 4 से बढ़ाकर 8 करने से प्रत्येक पुलिस जिले में 2 एसीपी (ट्रैफिक) नियुक्त किए जाएंगे। इससे निगरानी, प्रवर्तन एवं समन्वय का कार्य अधिक प्रभावी ढंग से संचालित हो सकेगा। वहीं, ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) की संख्या 15 से बढ़ाकर 20 करने से प्रत्येक पुलिस जिले में औसतन 5 टीआई की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे स्थानीय स्तर पर जवाबदेही एवं नियंत्रण में सुधार हो पाएगा।

4 अति. पुलिस उपायुक्तों को ट्रैफिक मैनजमेंट का जिम्मा

जयपुर । राज्य सरकार के गृह विभाग ने सोमवार को एक आदेश जारी कर पुलिस बेड़े में प्रशासनिक फेरबदल किया है। जारी इन आदेशों के तहत जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में चार अतिरिक्त पुलिस उपायुक्तों (एडीसीपी) के स्थानांतरण और पदस्थापन किए गए हैं। इस बदलाव का मुख्य केंद्र यातायात शाखा और मुख्यालय उत्तर रहे हैं।वरिष्ठ शासन उप सचिव (पुलिस) रत्नेश कुमार शर्मा द्वारा जारी इन आदेशों के अनुसार एसओजी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत हरिप्रसाद सोमानी को अब अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात (उत्तर) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चतुर्थ बटालियन आरएसी के कमांडेंट समीर कुमार को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात (पश्चिम) के पद पर तैनात किया गया है। पीसीपीएनडीटी इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हेमन्त कुमार जाखड़ अब अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात (पूर्व) के रूप में कार्यभार संभालेंगे औरयातायात शाखा (उत्तर) में कार्यरत सरिता बड़गुर्जर का तबादला कर उन्हें अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय-उत्तर) पुलिस आयुक्तालय जयपुर के पद पर नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ शासन उप सचिव (पुलिस) रत्नेश कुमार शर्मा द्वारा जारी इन आदेशों में सभी अधिकारियों को अपने नवीन पदस्थापन स्थान पर तुरंत प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इस फेरबदल से शहर की यातायात व्यवस्था और प्रशासनिक कामकाज में नई ऊर्जा देखने को मिलेगी।

13 मिनट में पार किए 45 लाख रुपए की चांदी के गहने

जयपुर (कासं)। सदर इलाके में अज्ञात नकबजन एक आभूषण कारखाने पर निशाना साधते हुए महज 13 मिनट में 45 लाख रुपए की चांदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। वारदात कि जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने एफएसएल टीम की सहायता से घटना स्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाकर नकबजनों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि चांदपोल बाजार स्थित जाट के कुएं का रास्ता निवासी व्यापारी बलराम सोनी ने मामला दर्ज कराया है कि रेलवे स्टेशन रोड पर दिगंबर जैन मंदिर के पास उनका आभूषण निर्माण कारखाना है। जिसके पीछे जैन मंदिर स्थित है। अज्ञात नकबजनों ने मंदिर परिसर का ताला तोड़ा और वहां से कारखाने के अंदर घुसे। कारखाने के अंदर घुसने के बाद अज्ञात नकबजन काउंटर में रखी 20 किलो चांदी के आभूषण कट्टों और थैलों में भरकर ले गए।

अशलेश पंवार व मानसिंह को बधाई दी

जयपुर । सहकारिता विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारी अशलेश पंवार एवं मानसिंह शेखावत ने पांचवीं ओपन सेन्ट्रल एशियन हैण्डबॉल पुरूष चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई तथा शुभकामनाएं दी हैं। अशलेश पंवार एवं मानसिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन उज्बेकिस्तान के ताशकन्द में 31 मार्च से 5 अप्रेल तक किया गया था। प्रतियोगिता में विभिन्न देशों की कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया था।

"राजस्थान यूथ डायलॉग" में मुख्यमंत्री ने किया संवाद

युवा शक्ति ही देश की दिशा तय करेगी : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'माय भारत बजट क्वेस्ट-राजस्थान यूथ डायलॉग'' कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों से संवाद किया।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी पूंजी हैं और वही देश की दशा और दिशा तय करते हैं। उन्होंने युवाओं से अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत करने का आव्हान करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार उनके हर कदम पर साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'माय भारत बजट क्वेस्ट-राजस्थान यूथ डायलॉग'' कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और युवा नीति लागू करने जैसे निर्णयों के लिए सरकार का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 75 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें राज्य के युवाओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार ने 4 लाख भर्तियों के लक्ष्य के तहत अब तक एक लाख 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है, जबकि निजी क्षेत्र में 3 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

पेपर लीक जैसे मामलों पर सख्ती दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने जांच के लिए एसआईटी गठित कर 420 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पिछले दो वर्षों में 351 से अधिक परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के पारदर्शी तरीके से करवाई हैं।

जामडोली से लापता 14 वर्षीय बालक ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के नीचे मिला

जयपुर (कासं)। राजधानी की जामडोली थाना पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए तीन दिन से लापता एक नाबालिग बालक को सुरक्षित दस्तयाब कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। जिससे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजिता शर्मा ने बताया कि सुमेल (जामडोली) निवासी 14 वर्षीय बालक विक्रांत बुनकर पुत्र बनवारी लाल बुनकर गत 9 अप्रैल को अपने घर से बिना बताए कहीं निकल गया था। परिजनों की रिपोर्ट पर थाना जामडोली में अपहरण की धाराओं (137 (2) बीएनएस) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त (आदर्श नगर) लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में थानाधिकारी रतन सिंह कविया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने शहर के

विभिन्न बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थलों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। साथ ही तकनीकी सहायता और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बालक की लोकेशन ट्रेस की गई। पुलिस टीम की कड़ी मेहनत के बाद बालक विक्रांत को दिल्ली बाईपास रोड स्थित ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के नीचे से सकुशल ढूंढ निकाला। पूछताछ में सामने आया कि बालक अपनी स्वेच्छा से घर छोड़कर गया था और उसके साथ किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी या अपराध घटित होना नहीं पाया गया है।

'मई-जून में गर्मी पडेगी और बाद में बारिश होगी, इसलिए फिलहाल चुनाव नहीं करवा सकते'

पंचायत और निकाय चुनाव की तारीख आगे बढ़वाने के लिए हाईकोर्ट पहुंची राज्य सरकार

- अदालत में दायर प्रार्थना पत्र में राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि ''ओबीसी आयोग की रिपोर्ट 30 सितंबर तक आने की संभावना है। इसके बाद आरक्षण तय कर तुरंत चुनाव अधिसूचित कर दिए जाएंगे।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में पंचायत व निकाय चुनाव में देरी से जुडे मामले में राज्य सरकार ने अब चुनाव कराने की तिथि को बढ़ावाने के लिए हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश किया है। इसमें राज्य सरकार ने कहा है कि मौजूदा परिस्थितियों में आगामी महीनों में चुनाव करना संभव नहीं है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि, मई-जून में गर्मी पडेगी और बाद में बारिश होगी, इसलिए फिलहाल चुनाव नहीं करवा सकते।

महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद की ओर से पेश प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि अभी तक ओबीसी आरक्षण का निर्धारण नहीं हो पाया है और संविधान के अनुच्छेद 243-डी एवं 243-टी के तहत स्थानीय निकायों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण देने का प्रावधान है। इसलिए राज्य में पंचायत व निकाय चुनाव अभी नहीं हो सकते। ओबीसी आयोग की रिपोर्ट 30 सितंबर तक आने की संभावना है। ऐसे में ओबीसी आयोग की रिपोर्ट मिलते ही आरक्षण तय कर तुरंत चुनाव अधिसूचित कर दिए जाएंगे। राज्य सरकार ने यह प्रार्थना पत्र पूर्व विधायक संयम लोढ़ा और गिर्राज देवंदा की जनहित याचिकाओं में दायर किया है।

राज्य सरकार ने कहा कि स्थानीय निकायों के लिए करीब 1.26 लाख और ग्रामीण पंचायती संस्थाओं के लिए करीब 2.50 लाख मतदान कर्मचारियों की जरूरत होगी। इनमें करीब 70 फीसदी शिक्षाकर्मी रहेंगे। फिलहाल स्कूलों में 1 अप्रैल 2026 से शैक्षिणक शुरू हो चुका है और मई-जून में प्रदेश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और लू चलने की संभावना है। वहीं जुलाई से सितंबर तक मानसून और कृषि कार्यों में आमजन व्यस्त रहेगा।

इस दौरान चुनाव कराना न तो कर्मचारियों, उम्मीदवारों और मतदाताओं के स्वास्थ्य के लिए उचित है और न ही व्यावहारिक। वहीं कई पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल सितंबर से दिसंबर 2026 में खत्म होगा। राज्य चुनाव आयोग को चुनाव अधिसूचना जारी करने और प्रक्रिया पूरी करने में कम से कम तीन महीने का समय लगेगा। इसलिए चुनाव कराने के लिए समय दिया जाए।

मामले से जुड़े अधिवक्ता प्रेमचन्द देवन्दा ने बताया कि हाईकोर्ट की खंडपीठ ने गिरिराज सिंह की याचिका मंजूर कर 14 नवंबर 2025 को प्रदेश की पंचायतों और स्थानीय निकाय चुनाव 15 अप्रैल तक करवाने के लिए राज्य सरकार व निर्वाचन आयोग को निर्देश दिए थे, लेकिन राज्य सरकार ने आदेश की पालना नहीं की और अब चुनाव का समय बढवाने के लिए हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया है।

अनसेफ पाए जाने पर 17 खाद्य उत्पाद प्रतिबंधित

प्रदेशभर में वितरण, विक्रय और डिस्पले पर दो माह तक रोक

जयपुर । खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय ने मिलावटी 17 खाद्य उत्पादों को प्रदेशभर में 2 माह तक प्रतिबंधित कर दिया है। राज्य में इनके वितरण, विक्रय और डिस्पले पर रोक लगा दी गई है। पिछले दिनों विभाग ने इन तमाम सामग्रियों के सैंपल लिए थे, जो कि जांच में अनसेफ पाए गए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि युवराज बीकानेर ब्रांड की केसर बाटी, बंगाल गोल्ड ब्रांड की चाय, शुगर बॉयल्ड कंफेक्शनरी ''नगद नारायण'' तथा श्री डेयरी प्रीत, हरियाणा और श्री डेयरी ब्राइट ब्रांड का घी, श्री साई मसालेवाला ब्रांड की हल्दी, धेनु सरस ब्रांड घी, ईजी डेयरी ब्रांड घी, भोग विनायक घी, ब्रांड स्नेक टेक का रोस्टेड चना, हरियाणा क्रीम ब्रांड घी, श्री भैरव सरस घी, जयश्री कृष्णा घी, डेयरी पंजाब घी तथा बालाजी ब्रांड का तीखा मीठा मिक्स नमकीन खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में असुरक्षित [illegible] गए है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि खाद्य व्यापारी द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 46(4) की निर्धारित अवधि में पुनः जांच के लिए अपील करने के बाद रेफ़रल प्रयोगशाला की रिपोर्ट अनसेफ प्राप्त होने या धारा 46(4) की अवधि में अपील नहीं करने पर इन खाद्य पदार्थों के रिकॉल की प्रकिया अमल में लाई जाएगी।

अतः आमजन को सलाह दी गई है कि वे इन खाद्य पदार्थों की खरीद और उपयोग नहीं करें। अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह ने बताया कि जिन उत्पादों का निर्माण दूसरे राज्यों में हो रहा है, उन राज्यों में स्थापित निर्माण इकाइयों या कम्पनियों पर एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए वहां के खाद्य सुरक्षा विभाग को पत्र लिखा गया है।

विधानसभा को आर.डी.एक्स. से उडाने की धमकी से हड़कंप मचा

सुरक्षा एजेंसियों, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने विधानसभा परिसर के चप्पे-चप्पे की तलाश ली, जांच में विस्फोटक अथवा संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर राहत की सांस ली

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा को आरडीएक्स से उडाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की सघन जांच में यह धमकी पूरी तरह फर्जी पाई गई।

इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत राज्य के पुलिस महानिदेशक को सूचना दी और पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए रखी। एहतियातन विधानसभा परिसर को खाली कराया गया, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते और विशेष पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

- ई-मेल भेजने वालों की तलाश में जुटी है साइबर एजेंसियां,अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी

एंटी सबोटाज चेक टीम द्वारा आधुनिक उपकरणों की सहायता से विधानसभा परिसर की गहन जांच की गई। जांच के दौरान किसी भी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने स्थिति को पूरी तरह सुरक्षित बताया और प्रमाण-पत्र भी जारी किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि ईमेल की सामग्री भ्रामक और असंबंधित है, जिसका विधानसभा से कोई लेना-देना नहीं है। ईमेल में कुछ तथ्यहीन और भटकाने वाली बातें लिखी गई थीं, जिन्हें गंभीरता से लेते हुए साइबर एजेंसियों द्वारा स्त्रोत का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने विधानसभा अधिकारियों और कर्मचारियों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए उनका मनोबल भी बढ़ाया। जांच पूरी होने के बाद विधानसभा सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी पुनः अपने कार्यस्थलों पर लौट आए और परिसर में सामान्य कामकाज बहाल हो गया।

राजस्थान विधानसभा को आरडीएक्स से उडाने की धमकी मिलने की सूचना के सुरक्षा एजेंसियों, पुलिस और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाश ली।

हाईकोर्ट और जिला न्यायालय में भी बम विस्फोट की धमकी

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट और जिला न्यायालय में बम विस्फोट करने की धमकी के साथ सोमवार को कोर्ट की आधिकारिक मेल आइडी पर ईमेल भेजे गए। हालांकि हर बार की तरह पुलिस को तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और यह सिर्फ धमकी निकली।

जानकारी के अनुसार ग्रीष्मकालीन कोर्ट के पहले दिन सुबह जिला न्यायालय की ऑफिशियल मेल आईडी पर यह धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इस पर कोर्ट प्रशासन की ओर से स्थानीय थाने सहित आलाधिकारियों को जानकारी दी गई। इसके बाद कोर्ट परिसर को खाली कराया गया। इस दौरान हाईकोर्ट प्रशासन को भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया। ऐसे में हाईकोर्ट परिसर की भी तलाशी ली गई। दोनों कोर्ट परिसर में पुलिस की विभिन्न एजेंसियों के आलाधिकारी और डॉग स्वायड भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान डॉग स्वायड ने कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली, लेकिन कहीं कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी सेशन कोर्ट परिसर में करीब आधा दर्जन बार बम विस्फोट करने की धमकी देते हुए ईमेल भेजे गए हैं। वहीं हाईकोर्ट में सिरफिरों ने एक दर्जन से अधिक बार ऐसे मेल भेजे हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा का कहना है कि हर बार मेल मिलने के बाद जांच एजेंसियां आकर परिसर की तलाशी लेती हैं, लेकिन यह सिर्फ धमकी ही साबित होती है। इस दौरान सरकार के लाखों रुपए भी खर्च होते हैं।

एयरपोर्ट से हल्दी घाटी सर्किल की 100 फीट चौडी रोड के निर्माण का आदेश वापस लिया हाईकोर्ट ने

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एयरपोर्ट से प्रताप नगर के हल्दी घाटी सर्किल तक की 100 फीट चौडी रोड के निर्माण के संबंध में छह माह पहले दिए अपने आदेश को वापस ले लिया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश अजय मार्ग निर्माण संघर्ष समिति व अन्य की ओर से दायर याचिका में दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

रमेश चन्द्र मीणा व अन्य की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने अदालत को बताया कि खंडपीठ ने जेडीए को निर्देश दिए थे कि साल 2011 के सेक्टर प्लान के अनुसार तय अलाइनमेंट के अनुसार रोड निर्माण किया जाए। वहीं रोड का जो हिस्सा राजस्थान हाउसिंग बोर्ड व जयपुर नगर निगम के क्षेत्राधिकार में है, उसके निर्माण का खर्चा हाउसिंग बोर्ड व नगर निगम से वसूला जाए। यदि उनसे खर्चा नहीं मिले तो राज्य सरकार अपने खर्चे पर ही रोड का निर्माण करे, केवल खर्चे के आधार पर ही रोड का निर्माण कार्य नहीं रोका जाए। इसके अलावा खंडपीठ ने कहा था कि यदि इस रोड के संबंध में किसी भी कोर्ट में कोई स्टे चल रहा है तो वह इस आदेश में ही समाहित हो जाएगा।

वहीं इस रोड के निर्माण कार्य के संबंध में कोई भी ट्रिब्यूनल या कोर्ट किसी के दावे को मंजूर नहीं करे। इसके अलावा रोड के निर्माण के दौरान चाहें तो पुलिस की मदद भी ली जा सकती है। अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने अदालत को कहा कि एक्टिंग सीजे बतौर वकील इस याचिका में पैरवी कर चुके हैं। ऐसे में उनकी ओर से मामले की सुनवाई करना उचित नहीं था। अदालत की ओर से आदेश देने के बाद उन्हें इस संबंध में जानकारी मिली है। ऐसे में खंडपीठ इस आदेश को वापस ले।

जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने आदेश वापस लेते हुए इसकी सुनवाई दूसरी खंडपीठ को करने को कहा है। याचिका में कहा था कि सेक्टर प्लान में यह रोड 100 फीट की है, लेकिन कई सालों से इस रोड का निर्माण नहीं हो पा रहा है। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के कारण ही हाउसिंग बोर्ड सेक्टर एक व दो को आज तक विकसित नहीं कर पाया है। इसलिए रोड का निर्माण कराया जाए।

शातिर नटवरलाल से पुलिस ने 90 लाख रु. बरामद किए

जयपुर । मुरलीपुरा पुलिस ने शातिर ठगों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए 90 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में शत-प्रतिशत राशि बरामद कर ली है। इनकम टैक्स रेड का खौफ दिखाकर लूटीं गई राशि की बरामदगी के लिए पुलिस ने आरोपी के पैतृक आवास तक दबिश दी।

डीसीपी प्रशांत किरण ने बताया कि आरोपी बाबूलाल वर्मा उर्फ बी.एल. गोयल को गिरफ्तार करने के बाद उसे पुलिस अभिरक्षा में लिया गया था। कड़ाई से पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने ठगी की शेष राशि अपने मूल निवास चूरू में छिपा रखी है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने चूरू स्थित उसके घर पर दबिश देकर 12 लाख 50 हजार रुपये और बरामद किए। अनुसंधान में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि आरोपी ने ठगी की राशि का उपयोग अपना पुराना कर्ज चुकाने में किया था। उसने केनरा बैंक (झुंझुनू) में अपने गोल्ड लोन की अदायगी के लिए 25 लाख रुपये जमा करवाए थे।

सीयूआरएज में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर संवाद, महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने पर जोर

■ कुलपति आनंद भालेराव ने अपने संबोधन में कहा कि यह अधिनियम केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है

अजमेर, (कासं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा का आयोजन कुलपति आनंद भालेराव के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की विशेषज्ञ वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण और शासन में महिलाओं की भागीदारी पर अपने विचार साझा किए।

कुलपति आनंद भालेराव ने अपने संबोधन में कहा कि यह अधिनियम केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाओं की निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ने से विकास अधिक संतुलित और संवेदनशील होगा। मुख्य वक्ता मधु शर्मा ने कहा कि नारी हर परिस्थिति में समाज के हित में योगदान देने में सक्षम है। उन्होंने महिलाओं से अपने लक्ष्यों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ने का आव्हान किया।

मधु खंडेलवाल ने अधिनियम के विधिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह 106वें संविधान संशोधन के तहत लागू किया गया है, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए परिसीमन और जनगणना की प्रक्रिया को आवश्यक बताया।

निमिषा गौर ने कहा कि यह अधिनियम दो-तिहाई बहुमत से पारित हुआ है, जो इसकी व्यापक स्वीकृति को दर्शाता है। उन्होंने महिलाओं से नीति-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और तथ्यों पर आधारित समझ विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। भूमिका शर्मा ने इसे लंबे संघर्ष के बाद मिली उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब महिलाओं की कहानियों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने सामूहिक सोच और सहयोग की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता जताई।

शैज़ी अहमद ने अधिनियम को सकारात्मक पहल बताते हुए इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता ही वास्तविक सशक्तिकरण का आधार है।

कार्यक्रम में छात्राओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे। महिला कर्मियों, छात्राओं और अन्य शैक्षणिक संस्थानों की महिलाओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाया। संचालन गरिमा कौशिक और रीना गोदारा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रेमी देवी ने प्रस्तुत किया।

महाप्रभु जी का जन्मदिवस मनाया

पुष्कर, (निसं)। परिक्रमा मार्ग स्थित महाप्रभु जी की बैठक पर सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय पुष्टीमार्गीय वैष्णव परिषद शाखा पुष्कर की ओर से श्रीमद् वल्लभाचार्य महाप्रभुजी का जन्मोत्सव विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस मौके पर शोभायात्रा, महाआरती सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बैठक के पुजारी नटवरलाल मुखिया ने बताया कि सोमवार को वल्लभाचार्य जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में महाप्रभु जी की बैठक पर सुबह भगवान के तिलक, पोतना, झारीजी चरण स्पर्श एवं पालना दर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गये। दीनदयाल पाराशर ने बताया कि इस अवसर पर शाम 6 बजे गाजे बाजे के साथ कस्बे में वल्लभाचार्य जी की शोभायात्रा निकाली गयी। जो महाप्रभु जी की बैठक से शुरू होकर ब्रह्म चौक, गऊघाट, वराह घाट, होली का चौक, मालनियों का चौक आदि मार्गो से नगर भ्रमण करते हुए पुनः आयोजन स्थल पहुंचने पर संपन्न हुई।

अधिवक्ता समुदाय हर्षोल्लास के साथ मनाएगा बाबा साहेब की जयंती

■ डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

■ आयोजन समिति ने अधिवक्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने और जयंती को ऐतिहासिक बनाने की अपील की है

अजमेर, (कासं)। भारतीय संविधान के शिल्पकार और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती 14 अप्रैल को अजमेर में हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण माहौल में मनाई जाएगी। इस अवसर पर अजमेर जिला बार एसोसिएशन एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर अधिवक्ता समुदाय में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे अंबेडकर सर्किल पर 'मिल्क रोज' (दुग्ध गुलाब) वितरण के साथ होगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी आमजन, राहगीरों और रैली में शामिल श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय की व्यवस्था की गई है। दोपहर 12 बजे बार एसोसिएशन के अधिवक्ता एकजुट होकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर 51 किलो की विशाल पुष्पमाला अर्पित करेंगे। इसके पश्चात 21 पाउंड का केक काटकर जयंती को उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। समारोह की तैयारियों में अधिवक्ता टीम सक्रिय रूप से जुटी हुई है। आयोजन में रविंद्र चौहान, शिवप्रसाद, कुलदीप सत्यनारायण सोलंकी, प्रदीप तुनगरिया, शंकर सांकरिया, घनश्याम मेहरा, भरत मेघवाल, मुकेश कुमार टाक, योगेश दायमा, अनिल कुमार, उमेश कुमार, भूपेंद्र परिहार, अजीत वासन, भारत सरवटे, अनिल नरवाल, पंकज कुमार बंजारा, किशन बागड़ी, विजय चंदेल, केसी जोनवाल, धर्मेंद्र गुणरात सहित अनेक वरिष्ठ व युवा अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आयोजन समिति ने अधिवक्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने और जयंती को ऐतिहासिक बनाने की अपील की है।

कैंसर से बचाव के लिए महिलाओं को किया जागरूक

भीलवाड़ा(निसं)। शहर के पद्मिनी क्लब द्वारा सोमवार को एक रिसॉर्ट में जागरूकता और उत्सव का संगम देखने को मिला। नगर निगम की पूर्व सभापति मधु जाजू और कल्पना माहेश्वरी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान क्लब अध्यक्ष सीमा सोमानी ने कहा कि आज के दौर में महिलाओं का स्वास्थ्य सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के साथ क्लब की सभी सहेलियों ने मिलकर बच्चियों और महिलाओं में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर, बच्चेदानी के कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की और उपस्थित जनों को इनसे बचाव व शुरुआती लक्षणों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर क्लब ने दोहरे पर्व भी मनाए। एक ओर जहाँ मातृभाषा के सम्मान में हिंदी दिवस पर विचार गोष्ठी हुई, वहीं दूसरी ओर संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। आयोजन को सफल बनाने में क्लब की सदस्य मोहिनी, सीमा, प्रीति जैन, रीना गुप्ता, ममता सेठी, सरिता, छाया, सुनीता, सुमन जैन और पदमा जैन का पूर्ण सहयोग रहा।

NAME CHANGE

I, Narayan Chandra Mondal Father of Army No JC-736534H, Nb/Sub, Manabbrata Mondal,Residing Village-Pakurgachi, Po-Bhimpur, Teh- Krishnagar, Dist- Nadia, West Bengal, 741167 Have changed my name From Narayan Ch Mondal to Narayan Chandra Mondal Vide affidavit no CF 311413 Dt 13/04/2026 before court Campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Kanta Spouse of Army No.:- 14660294W, Hav, Ram Niwas Residing at Vill & Po:-Todas, Teh:-Nawa, Distt:- Nagaur, Rajasthan, Pin:-341509 have change my name from Kanta to Kanta Devi vide affidavit no. CF 311401 dt 13/04/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Army No.:- 14660294W, Hav, Ram Niwas Residing at Vill & Po:-Todas, Teh:- Nawa, Distt:- Nagaur, Rajasthan, Pin:-341509 have change my Son's name from Prveen Royal to Praveen Rayal vide affidavit no. CF 311400 dt 13/04/2026 at court campus Nasirabad

अजमेर में आदिनाथ भगवान ऋषभदेव पखवाड़ा गोष्ठी सम्पन्न

■ भगवान ऋषभदेव जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर हैं, जिन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से मानव जीवन जीने की श्रेष्ठ शैली का मार्गदर्शन किया

अजमेर, (निसं)। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 1 से 15 अप्रैल तक तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों के आयोजन के अंतर्गत सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक दिगंबर जैन महासमिति के उपाध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान आदिनाथ के चित्र पर अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य मनोज बहरवाल रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में नारेली के सुकांत भैया और प्रोफेसर डॉ. राकेश कटारा ने अपने विचार व्यक्त किए।

डॉ. राकेश कटारा ने अपने वक्तव्य में कहा कि भगवान ऋषभदेव जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर हैं, जिन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से मानव जीवन जीने की श्रेष्ठ शैली का मार्गदर्शन किया। वहीं सुकांत भैया ने बताया कि भगवान ऋषभदेव ने नारी शिक्षा पर विशेष बल देते हुए अपनी पुत्रियों ब्राह्मी और सुंदरी को शिक्षा का आदर्श उदाहरण बनाया।

कार्यक्रम के दौरान विश्व शांति हेतु जैन मुनि प्रमाण सागर द्वारा रचित 'मंगल भावना' का वाचन किया गया। समिति के सदस्यों ने इसे महाविद्यालय के प्राचार्य को सौंपते हुए वर्ष में तीन बार शिक्षण संस्थानों में इसके अनिवार्य वाचन का आग्रह किया, जिस पर प्राचार्य ने सहमति व्यक्त की। सम्पूर्ण कार्यक्रम दिगंबर जैन महासमिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ। इसमें अरुण सेठी, नवीन पटनी, चक्रेश जैन, सुनीता गंगवाल, प्रकाश गंगवाल, राजेंद्र पाटनी, सुनील गंगवाल, मुकेश जैन, चंद्रिका जैन, सुनील भैंसा सहित अन्य पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही। अंत में प्राचार्य मनोज बहरवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महिला सशक्तिकरण के लिए आभा गांधी सम्मानित

अजमेर,(कासं)। अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य महासभा की चतुर्थ केंद्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक कोलकाता स्थित आचार्य महाप्रज्ञा महाश्रमण आश्रम में आयोजित की गई। इस दौरान महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर आभा गांधी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उन्हें दुपट्टा ओढ़ाकर और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान महासभा अध्यक्ष महेश विजय द्वारा प्रदान किया गया। आयोजन संयोजक रक्षितारमेश विजय ने बताया कि आभा गांधी को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों में सक्रिय योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। इस अवसर पर सी.पी. विजय, रमेश विजयवर्गीय, राजीव विजय, रघुनंदन विजयवर्गीय, राजेंद्र गांधी सहित कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

नारी सशक्तिकरण को लेकर सरकार की पहल पर जताया आभार

■ अजमेर में भाजपा महिला मोर्चा की पत्रकार वार्ता

■ आज देश में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं

अजमेर,(कासं)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महिला मोर्चा की ओर से आज अजमेर में एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला पदाधिकारियों ने देश में नारी सशक्तिकरण को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

पत्रकार वार्ता में महिला मोर्चा की नेताओं ने कहा कि आज देश में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। विशेष रूप से राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने का निर्णय महिलाओं की भागीदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल बताया।

महिला पदाधिकारियों ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने केवल घोषणाएं ही नहीं कीं, बल्कि धरातल पर महिलाओं के लिए कई प्रभावी योजनाएं भी लागू की हैं। इन योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग की महिलाओं तक पहुंच रहा है, जिससे उनकी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति में सुधार हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन को प्राथमिकता दी गई है। चाहे उज्ज्वला योजना हो, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान या महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली योजनाएं हर स्तर पर महिलाओं को सशक्त करने का कार्य किया गया है। महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी सरकार इसी तरह महिलाओं के हित में कार्य करती रहेगी और देश में नारी शक्ति को और अधिक मजबूती मिलेगी।

अंत में, उन्होंने प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह प्रयास भारत को एक सशक्त और समतामूलक समाज की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय

अजमेर, (कासं)। राजस्थान ब्राह्मण समाज के बैनर तले आज अजमेर जिला गौड़ ब्राह्मण सभा सदन में समाज के सभी घटकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से भगवान परशुराम का जन्मोत्सव इस वर्ष भव्य और उत्साहपूर्ण तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। समाज के प्रतिनिधि सुदामा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जन्मोत्सव कार्यक्रम 15 अप्रैल से 19 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे।

इस पांच दिवसीय आयोजन के तहत विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई है। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल को आगरा गेट स्थित गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश जी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव का निमंत्रण दिया जाएगा। इसके बाद आगामी दिनों में समाज के विभिन्न घटक अपने-अपने क्षेत्रों में अलग-अलग धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

आशा भोंसले को सुरों भरी श्रद्धांजलि दी

अजमेर, (निसं)। शहर के सुरों का संगम संगीत समूह के तत्वावधान में 'गीत गाता चल' कार्यक्रम का आयोजन रविवार को बिरला सिटी वॉटर पार्क में किया गया। कार्यक्रम संस्थापक ओमप्रकाश पंवार के सानिध्य में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान भारतीय संगीत जगत की महान गायिका आशा भोंसले को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कलाकारों ने उनके लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पवन जैन ने कहा कि आशा भोंसले भारतीय संगीत जगत की एक बड़ी हस्ती थीं, जिन्होंने प्लेबैक सिंगिंग में अनेक यादगार गीत देकर अपनी अमिट पहचान बनाई। प्रकाश जेठरा ने बताया कि इस अवसर पर 'दीवाना मस्ताना हुआ दिल', 'नजर लगी राजा तोरे बंगले पर', 'छोड़ दो आंचल जमाना क्या कहेगा' और 'हाल कैसा है जनाब का' जैसे गीतों की शानदार प्रस्तुतियों ने माहौल को सुरमयी बना दिया। कार्यक्रम में कुल 55 कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रवेश मीनावत और दिलीप बच्चानी ने किया।

पगारिया जेबीएन मिलाप, अजमेर एडिशन में बढ़ा आपसी जुड़ाव

■ इस आयोजन में राजस्थान ज़ोन के सचिव राज गोलेछा और अजमेर चैप्टर के चेयरमैन मनीष रांका की उपस्थिति रही

अजमेर, (कासं)। जीतो अजमेर चैप्टर द्वारा पगारिया जेबीएन मिलाप - अजमेर एडिशन का आयोजन किया गया, जिसमें भीलवाड़ा, जयपुर, जोधपुर और किशनगढ़ चैप्टर के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न चैप्टर के सदस्यों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना, आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और व्यापारिक नेटवर्क को मजबूत बनाना रहा।

'साथ मिलकर बढ़ते हैं, साथ मिलकर सफल होते हैं' की भावना पर आधारित इस आयोजन में राजस्थान ज़ोन के सचिव राज गोलेछा और अजमेर चैप्टर के चेयरमैन मनीष रांका की उपस्थिति विशेष रही।

कार्यक्रम में जेबीएन जयपुर के कन्वीनर राजन कोठारी, को-कन्वीनर चर्चित जैन तथा जेबीएन जोधपुर के को-कन्वीनर नीरज मेहता सहित विभिन्न चैप्टर के प्रतिनिधि मौजूद रहे। मेजबान टीम की ओर से अमित पोखरना, राकेश बर्मेचा, अमित जैन, प्राची पोखरना, अनुभव कटारिया, सिद्धार्थ पोखरना और विपुल कटारिया ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान 80 से अधिक व्यापारिक रेफरल्स का आदान-प्रदान हुआ। प्रमुख आकर्षणों में स्पीड नेटवर्किंग सत्र, 30 सेकंड पिच राउंड, क्विज़ प्रतियोगिता और 'वन-टू-मेनी' सेगमेंट शामिल रहे। अंत में सर्वश्रेष्ठ पिच प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 48 जाहिर आम सूचना दिनांक -9-4-26

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2-E-31, नाका मदार, अजमेर क्षेत्रफल 42.187 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री लक्ष्मी नारायण गुप्ता पुत्र श्री राधेश्याम गुप्ता को आवंटित कर दिनांक 21.02. 1991 को आवास का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री लक्ष्मी नारायण गुप्ता पुत्र श्री राधेश्याम गुप्ता द्वारा आवास का बैचान जरिये इकरारनामा मुख्त्यारनामा एवं वसीयतनामा के श्रीमती सरोज पत्नि स्व. श्री दुर्गा प्रसाद को कर दिया गया है। मण्डल द्वारा दिनांक 08.01.2020 को श्रीमती सरोज पत्नि स्व. श्री दुर्गा प्रसाद के पक्ष में नियमितीकरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती सरोज पत्नि स्व. श्री दुर्गा प्रसाद द्वारा दिनांक 27.02.2020 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। पंजीयन पश्चात् श्रीमती सरोज पत्नि स्व. श्री दुर्गा प्रसाद द्वारा आवास का बैचान श्रीमती प्रीति सिंह पत्नि श्री नरेन्द्र सिंह को दिनांक 19.06.2020 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2051 में पृष्ठ संख्या 101 क्रम संख्या 202003001101987 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 5198 के पृष्ठ संख्या 1 से 13 पर दिनांक 19.06.2020 को चस्पा किया गया है। अब श्रीमती प्रीति सिंह पत्नि श्री नरेन्द्र सिंह ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती प्रीति सिंह पत्नि श्री नरेन्द्र सिंह का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक: 69A/2025-26/459 **आम सूचना** दिनांक: 13/04/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रामेश्वरलाल, श्री जगदीश पुत्र श्री रामचन्द भाटी निवासी नरसिंहपुरा ब्यावर ने 69 ए के तहत आवेदन प्रस्तुत कर नगर परिषद कर नगर परिषद ब्यावर की सीमा में स्थित जायदाद आबादी मौहल्ला मकान नं. 94 (पूर्वी भाग), खसरा नं. 345. नरसिंहपुरा ब्यावर क्षेत्रफल 130.82 वर्गमीटर का आवासीय पट्टा लेने बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त को आवासीय पट्टा विलेख जारी किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के 15 दिवस के अन्दर अन्दर आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

-आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पूरक परीक्षा वर्ष 2026 हेतु ऑनलाइन शुल्क जमा कराने बाबत् सूचना

वर्ष 2026 की पूरक परीक्षा के लिये ऑनलाईन शुल्क जमा कराने की तिथियां निम्नानुसार है :-

परीक्षा शुल्क का प्रकार	शालाओं द्वारा चालान मुद्रण करने की अवधि	परीक्षा शुल्क बैंक में जमा कराने की अन्तिम तिथि	शाला द्वारा बैंक रसीद एवं अग्रेषण सूची बोर्ड कार्यालय को भेजने की अन्तिम तिथि
1.सामान्य परीक्षा शुल्क	15.04.2026 से 22.04.2026	24.04.2026	01.05.2026
2.एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित	23.04.2026 से 27.04.2026	29.04.2026	
3. असाधारण परीक्षा शुल्क रू. 1500/- शास्ति + नियमित परीक्षार्थी शुल्क रू 600/- कुल 2100/- व स्वयंपाठी परीक्षार्थी शुल्क रू 650/- व रू. 1500/- शास्ति शुल्क सहित कुल रू. 2150/-	परीक्षा प्रारम्भ होने तक (शुल्क केवल पूरक परीक्षा केन्द्र पर बैंक ड्राफ्ट द्वारा जमा होगा।)		
पूरक परीक्षा 2026 प्रारम्भ होने की तिथि			
पूरक परीक्षा (प्रायोगिक)	गुरूवार 07 मई 2026		
पूरक परीक्षा (सैद्धान्तिक)	गुरूवार 14 मई 2026		

परीक्षा शुल्क नियमित परीक्षार्थियों के लिये 600/- तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिये 650/- निर्धारित है। प्रायोगिक परीक्षा शुल्क रू. 100/- प्रति विषय पृथक से देना होगा। **विद्यालय एवं परीक्षार्थी मूल अंकतालिकाओं का इन्तजार नहीं करें तथा पूरक परीक्षा शुल्क जमा कराने की कार्यवाही शीघ्र करें।** विशेष योग्यजन (दिव्यांग) तथा युद्ध में वीरगति को प्राप्त अथवा अपाहिज सैनिकों के पुत्र/पुत्रियों/ पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिको के आश्रितों को परीक्षा शुल्क से मुक्त रखा गया है, किन्तु इन्हे टोकन शुल्क 50/- रू. जमा कराना होगा। अधिक जानकारी बोर्ड वेबसाईट http://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। बोर्ड कन्ट्रोल रूम फोन नम्बर 0145-2632866, 2632867, 2632868 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

Email ID ddexamfirst@gmail.com

सचिव

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा-2025 की उत्तरतालिका बाबत्

बोर्ड द्वारा दिनांक 29 मार्च, 2026 को आयोजित महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा-2025 की अस्थाई उत्तरतालिका (ग्रुप-1 कक्षा 6 से 8, ग्रुप-2 कक्षा 9 से 12 व ग्रुप-3 स्नातक/स्नातकोत्तर) बोर्ड की वेबसाईट https://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करवा दी गई है। यदि किसी परीक्षार्थी को इस उत्तरतालिका के किसी प्रश्न के उत्तर में आपत्ति है तो वे बोर्ड के ई-मेल आई.डी. bserobjections@gmail.com पर इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के सात दिवस में मय प्रमाण के निर्धारित प्रारूप में आपत्ति दर्ज करावें। इसके उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। डाक द्वारा प्राप्त आपत्तियाँ स्वीकार नहीं की जावेगी। सचिव

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में बालिकाओं ने दिया सकारात्मक संदेश

अजमेर, (कासं)। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा केसरपुरा, ताबीज और डूमाडा की पाठशालाओं में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं एवं स्थानीय समुदाय में स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सकारात्मक जीवनशैली के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, एनीमिया से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में फ्लिप चार्ट के माध्यम से सरल एवं प्रभावी जानकारी दी गई। साथ ही बालिकाओं को आयरन की गोलियां वितरित की गईं और उनका वजन मापकर स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन किया गया। इस अवसर पर एक जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें बालिकाओं ने नारे लगाकर समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया।

जोशी का गर्मजोश के साथ स्वागत

मेड़ता सिटी,(निसं)। बार काउंसलिंग ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी एडवोकेट रणजीत जोशी सोमवार को मेड़ता दौरे पर रहे। मेड़ता न्यायालय परिसर के अधिवक्ताओं से मुलाकात कर अपने लिए मत व समर्थन के लिए अपील की। इस चुनाव में मेड़ता न्यायपालिका से करीब 350 मतदाता अपने मतदान का प्रयोग करेंगे।

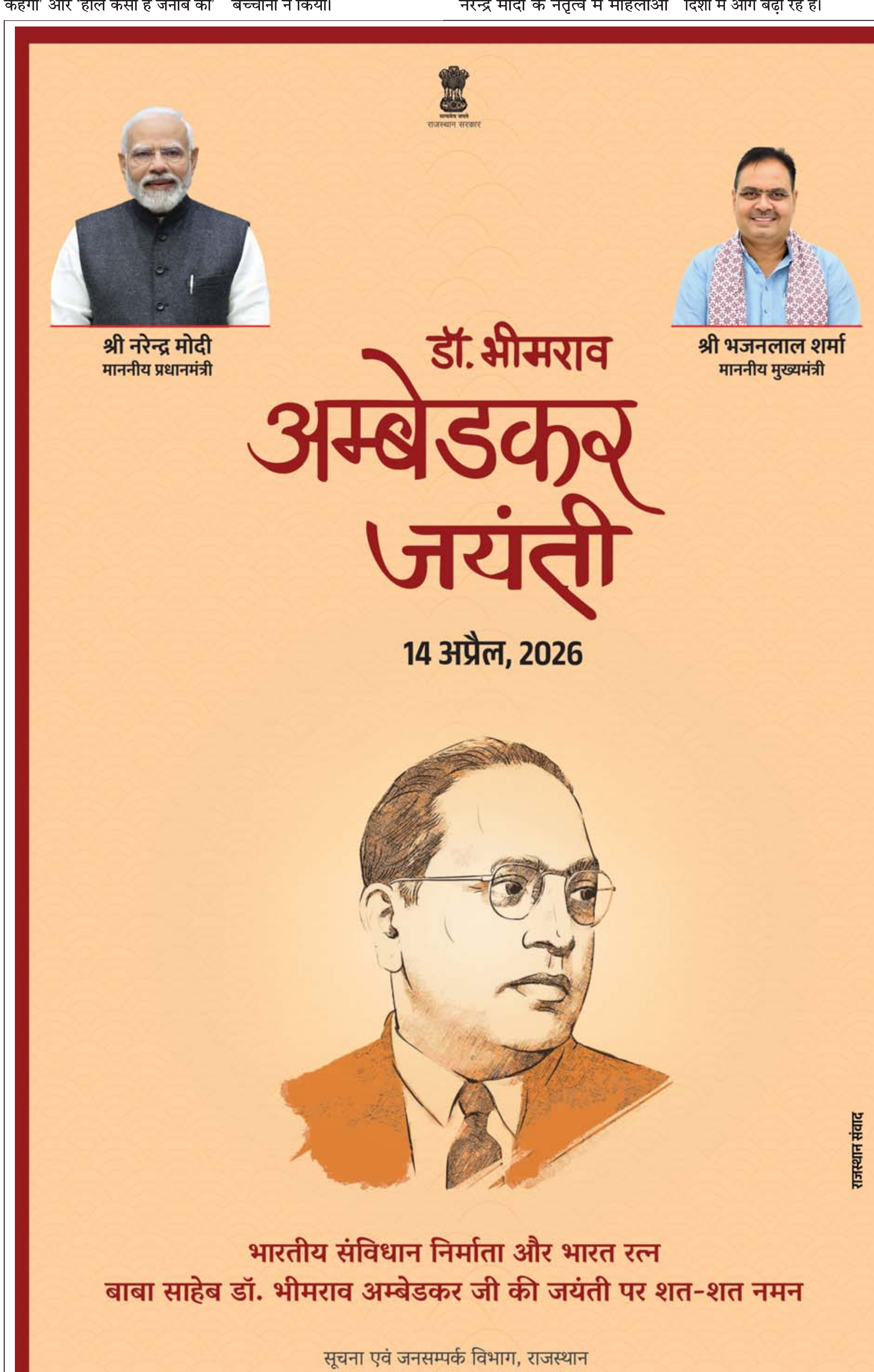

बेंगलुरु के बल्लेबाज रजत पाटीदार के खिलाफ गलत गेंदबाजी विकल्प चुनना मुंबई के लिए भारी पड़ गया। उन्होंने कहा कि पाटीदार पहले ही स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, इसके बावजूद उन्हें स्पिन के सामने खेलने का मौका दिया गया। – आर. अश्विन

पूर्व भारतीय गेंदबाज, पाटीदार के खिलाफ गलत गेंदबाजी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — यानिक सिनर

इटली के टेनिस स्टार यानिक सिनर नई एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में कार्लोस अल्कारेज को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में स्पेन के अल्कारेज को हराकर खिताब जीता था जिसके बाद वह रैंकिंग में टॉप पहुंच गए हैं। क्ले कोर्ट पर यह सिनर का पहला बड़ा खिताब है और उन्होंने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को हराकर यह खिताब हासिल किया। इस जीत के बाद सिनर ने कहा कि, यह मेरे लिए काफी मायने रखता है क्योंकि इसका मतलब है कि मैं आगे बढ़ रहा हूं। यह 2026 के लिए सिनर के मुख्य लक्ष्य की ओर बढ़ाया गया पहला कदम है।

क्या आप जानते हैं ?... वीरेंद्र सहवाग का नाम टेस्ट में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने वालों की सूची में टॉप-10 में चार बार है।

हैदराबाद ने रोका राजस्थान का विजय रथ

प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन को 4-4 विकेट

हैदराबाद, 13 अप्रेल। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स का विजय रथ रोक दिया है। एसआरएच ने सोमवार को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में आरआर को 57 रनों से रौंदा। यह राजस्थान टीम की लगातार चार मैच जीतने के बाद सीजन में पहली हार है।

एसआरएच ने पांच मैचों में दूसरी जीत हासिल की है। एसआरएच ने 217 रनों का टारगेट दिया, जिसके जवाब में आरआर की पारी 19 ओवर में 159 रनों पर सिमट गई। डेब्यूटेंट प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन ने गर्दा उड़ाया। प्रफुल्ल ने चार ओवर के स्पेल में 34 रन देकर चार शिकार किए। हुसैन ने स्पेल में 24 रन खर्च किए और चार विकेट चटकाए। ईशान मलिंगा को दो विकेट मिले। राजस्थान की लक्ष्य का पीछा करते हुए हालत खस्ता रही। आरआर ने महज 9 रन जोड़कर पांच विकेट खो दिए थे। हिंगे ने पहले ओवर में तीन शिकार किए। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को खाता हीं खोलने दिया।

हिंगे ने तीसरे ओवर में कप्तान रियान पराग (4) को पवेलियन भेजा। हुसैन ने दूसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल (1) को आउट किया। संकट में डोनोवन फरेरा (44 गेंदों में 69) और रवींद्र जडेजा (32 गेंदों में 44) ने मोर्चा संभाला और आरआर को जल्द ढेर होने से बचाया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी की। हुसैन ने 15वें ओवर में फरेरा को बोल्ड कर साझेदारी को तोड़ा। उनके जाल में जोफ्रा आर्चर (2) और रवि बिश्नोई (0) भी फंसे। तुषार देशपांडे ने 11 गेंदों में 25 रन बटोरे। वह आरआर की ओर आउट होने वाले आखिरी प्लेयर रहे।

आईपीएल डग आउट में फोन इस्तेमाल, राजस्थान रॉयल्स मैनेजर रोमी भिंडर पर एसीयू का शिकंजा, जांच तेज

नई दिल्ली, 13 अप्रेल। आईपीएल के बीच एक नया विवाद सामने आ गया है, जिसने क्रिकेट प्रशासन और नियमों को लेकर बहस तेज कर दी है। राजस्थान टीम के प्रबंधक रोमी भिंडर से जुड़ा मोबाइल फोन मामला अब गंभीर रूप ले चुका है और इस पर औपचारिक जांच शुरू कर दी गई है। बता दें कि गुवाहाटी में खेले गए एक मुकाबले के दौरान रोमी भिंडर टीम के विश्राम क्षेत्र में बैठे हुए मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए नजर आए थे। यह नियमों के खिलाफ माना जाता है, क्योंकि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार टीम प्रबंधक केवल ड्रेसिंग रूम के अंदर ही मोबाइल का उपयोग कर सकते हैं। विश्राम क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल केवल अधिकृत विश्लेषक को ही अनुमति होती है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इस मामले पर क्रिकेट बोर्ड की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने संज्ञान लिया है और रोमी भिंडर को नोटिस जारी कर 48 घंटे के भीतर जवाब देने को कहा गया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

गौरतलब है कि इस मामले में एक नया पहलू भी सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, मोबाइल फोन के इस्तेमाल के पीछे एक चिकित्सकीय आपात स्थिति हो सकती है। बताया जा रहा है कि रोमी भिंडर पहले भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ चुके हैं, जिसमें फेफड़े से जुड़ी बीमारी शामिल रही है। इसके अलावा उन्हें दमा की भी परेशानी बताई जा रही है, जिसके कारण उन्हें ज्यादा चलने या सीढ़ियां चढ़ने से बचने की सलाह दी गई है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि उनके पास मोबाइल फोन रखने की वजह स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरत हो सकती है। हालांकि नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में भी मोबाइल का इस्तेमाल केवल निर्धारित स्थान पर ही किया जा सकता है। यही वजह है कि अब जांच एजेंसियां यह समझने की कोशिश कर रही हैं कि क्या यह नियमों का उल्लंघन जानबूझकर हुआ या परिस्थितियों के चलते ऐसा करना पड़ा।

इस बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने मामले को और तूल दे दिया है, जिसमें उनके पास बैठे एक अन्य सदस्य को भी फोन की स्क्रीन की ओर देखते हुए देखा गया। इसके बाद इस घटना को लेकर सवाल उठने लगे और जांच का दायरा बढ़ा दिया गया। मौजूद हालात यह संकेत देते हैं कि खेल में पारदर्शिता और नियमों का पालन सुनिश्चित करना कितना जरूरी है। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी फैसले से पहले सभी पहलुओं, खासकर स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाए। अब सबकी नजर जांच रिपोर्ट पर टिकी है, जिससे यह साफ हो सकेगा कि यह मामला नियमों के उल्लंघन का है या फिर एक मजबूरी में लिया गया फैसला है।

आईपीएल 2026 : गुजरात-चेन्नई मुकाबलों का चुनाव के चलते शेड्यूल बदला

मुंबई, 13 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के शेड्यूल में बदलाव की घोषणा की है। इस बदलाव के तहत गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाले दो मुकाबलों के वेन्यू आपस में बदल दिए गए हैं। नई व्यवस्था के अनुसार, 26 अप्रैल 2026 को अहमदाबाद में होने वाला दोपहर का मैच अब चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला अब भी अपने निर्धारित समय दोपहर 3:30 बजे पर ही शुरू होगा। वहीं, 21 मई 2026 को चेन्नई में होने वाला रिवर्स मैच अब अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। यह मुकाबला शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। बीसीसीआई के अनुसार, यह बदलाव गुजरात के अहमदाबाद सहित अन्य क्षेत्रों में 26 अप्रैल को होने वाले नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। चुनाव के दौरान सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देते हुए मैच के वेन्यू को बदलने का निर्णय लिया गया।

प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर सिटी ने चेल्सी को रौंदा, आर्सेनल पर खिताब बचाने का बढ़ा दबाव

नई दिल्ली, 13 अप्रेल। मैनचेस्टर सिटी ने चेल्सी को 3-0 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में खिताब की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा। इस जीत से मैनचेस्टर सिटी शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से केवल छह अंक पीछे रह गया है। आर्सेनल के 32 मैच में 70 और मैनचेस्टर सिटी की 31 मैच में 64 अंक हैं। आर्सेनल शनिवार को बोर्नमाउथ से हार गया था जिसका फायदा मैनचेस्टर सिटी ने उठाया। स्टैमफोर्ड ब्रिज में खेले गए मैच में मैनचेस्टर सिटी की तरफ से निको ओरेली (51वें), मार्क गुएही (57वें) और जेरेमी डोकू (68वें मिनट) ने दूसरे हाफ में गोल किए। एक अन्य मैच में संडरलैंड ने टोटेनहम को 1-0 से हराया। यह टोटेनहम की इस सत्र में लीग में 16वीं हार है। वह पिछले 14 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाया है। संडरलैंड की तरफ से नोर्डी मुकीले ने 61वें मिनट में मैच का निर्णायक गोल किया। क्रिस्टल पैलेस ने सेल्हर्स्ट पार्क में न्यूकासल को 2-1 से शिकस्त दी।

तीसरी गुलाबी नगर ओपन चेस टूर्नामेंट 2026 का समापन

जयपुर, 13 अप्रैल। जयपुर के जगतपुरा स्थित स्कूल में 11-12 अप्रैल 2026 को आयोजित तीसरी गुलाबी नगर ओपन चेस टूर्नामेंट 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रतियोगिता स्विस सिस्टम (7 राउंड) के आधार पर खेली गई, जिसमें शहर एवं प्रदेश के अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया और कुल 60,000 की पुरस्कार राशि वितरित की गई। ओपन कैटेगरी में बेहद रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां अर्नव गुप्ता और अनुज चौमल दोनों ने 6 अंक बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन बेहतर टाई-ब्रेक के आधार पर अर्नव गुप्ता विजेता बने, जबकि अनुज चौमल उपविजेता रहे। वहीं वर्नित दीक्षित ने 6 अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा शीर्ष खिलाड़ियों में वीर कुमार, प्रणय चोरड़िया, विक्रमादित्य मुखीजा, पवन सैनी, मोहम्मद अमीन खान और शौर्य भार्गव ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थानों में अपनी जगह बनाई। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने भी शानदार खेल दिखाया, जिसमें अंडर-09 वर्ग में अद्वैत माहेश्वरी, अंडर-11 में युवराज वैष्णव, अंडर-13 में कृतज्ञ सिंह तथा अंडर-15 में शिवम खेतरपाल विजेता रहे। महिला वर्ग में टीशा ब्याडवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सीनियर (60) वर्ग में जकर अखिलेश विजेता बने और बेस्ट अनरेटेड खिलाड़ी का पुरस्कार ईशान खत्री को मिला। एस आर एन स्कूल से ओपन केटेगरी में देवीक प्रथम संजय बिश्नोई द्वितीय और धीरेन्द्र तृतिय स्थान पर रहे. गर्ल्स केटेगरी में एस आर एन स्कूल से अपूर्वा प्रथम दिव्या द्वितीय और दीपमाला तृतिय स्थान पर रही।

भदोरिया की जीत में भवित, शिवांग, भवानी, राजीव तथा आदित्य चमके

जयपुर, 13 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत नैना क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये मैच में भदोरिया क्रिकेट एकेडमी ने भवित कुमावत 100 रन नाबाद (86 गेंद 7 चौके 7 छक्के) के शतक तथा शिवांग सिंह 68 रन नाबाद (47 गेंद 6 चौके 5 छक्के) भवानी सुधार 63 रन (43 गेंद 6 चौके 5 छक्के) के अर्द्ध शतको तथा आदित्य चौधरी 50 रन पर 4 विकेट तथा राजीव दुक्तावा 37 रन पर 3 विकेट की गेंदबाजी की बदौलत नैना क्रिकेट एकेडमी को 9 विकेट से हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया टॉस जीतकर नैना एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जयन्त ताम्बी 51 रन शुभम मीणा 55 रन बेनीप्रसाद 31 रन आशीष शर्मा 38 की पारियों के बाबजूद पूरी टीम 37.4 ओवर में 239 रन बनाकर सिमट गई गेंदबाजी में भदोरिया एकेडमी की ओर से आदित्य चौधरी 50 रन पर 4 विकेट राजीव दुक्तावर 37 रन पर 3 विकेट तथा भवानी सुधार 24 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। जवाब पारी में भदोरिया एकेडमी ने भवानी सुथार 63 रन व भवित कुमावत 100 रन नाबाद ने मिलकर 13.3 ओवर में पहले विकेट के लिए 105 रन जोडकर शानदार शुरूआत की दूसरे विकेट पर भवित ने शिंवान सिंह 68 रन के साथ मिलकर 135 रन की नाबाद साझेदारी निभाकर अपनी टीम को एकतरफ 9 विकेट से जीत दिला दी।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम घोषित, जुऐरिया नया चेहरा

ढाका, 13 अप्रैल। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में 20 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज जुऐरिया फर्डौस को पहली बार शामिल किया गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में दाएं हाथ की बल्लेबाज शर्मीन सुल्ताना की सात साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है, जिससे टीम के बल्लेबाजी क्रम को अनुभव मिलेगा। टीम की कप्तानी निगार सुल्ताना जोटी के हाथों में होगी, जबकि नाहिदा अख्तर उपकप्तान रहेंगी। उनका चयन यह संकेत देता है कि चयनकर्ता आगामी व्यस्त सत्र को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते हैं। श्रीलंका की टीम 17 अप्रैल को बांग्लादेश पहुंचेगी और सीधे राजशाही जाएगी, जहां वनडे सीरीज का आयोजन होगा। दोनों टीमें सीरीज से पहले दो दिन अभ्यास करेंगी। तीन मैचों की यह श्रृंखला 20, 22 और 25 अप्रैल को राजशाही डिवीजनल स्टेडियम में खेली जाएगी। सभी मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे। इसके बाद 26 अप्रैल से दौरा सिलहट में होगा, जहां तीन मैचों की टी-20 सीरीज सिलहट अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। श्रीलंका की टीम 3 मई को दौरा समाप्त कर वापस लौटेगी। **बांग्लादेश एकदिवसीय टीम :** निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उपकप्तान), फरजाना हक, शोभना मोस्टरी, फहीमा खातून, शारमिन अख्तर सुप्ता, रितु मोनी, शोर्ना अख्तर, राबेया खान, शर्मिन सुल्ताना, मरुफा अख्तर, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, सुल्ताना खातून, शांजिदा अख्तर माघला, जुऐरिया फर्डौस।

क्या फिर वीआईपी पार्किंग की किक लगेगी फुटबॉल मैदान को ?

जयपुर, 13 अप्रैल। सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मैचों के आयोजन में आने वाले वीआईपी लोगों के लिए फुटबॉल मैदान को पार्किंग में तब्दील कर दिया जाता हैं। दक्षिणी गेट से प्रवेश करने वाले दर्शकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था स्टेडियम के अंदर रहती है। खेल ग्राउंड में आरसीए पदाधिकारी व सदस्यों के वाहनों की पार्किंग रहती है। आइपीएल सीजन के चलते फुटबॉल खिलाड़ियों के अभ्यास पर भी रोक लगा दी जाती है।

जबकि आइपीएल मैचों से फुटबॉल खिलाड़ियों का कोई लेना-देना नहीं है। खिलाड़ियों को प्रैक्टिस करने से रोक दिया जाता है और गेट के बाहर से भेज दिया जाता है। आइपीएल मैचों के दौरान हर बार इन मैदान पर सैंकड़ों चौपहिया वाहन खड़े किए जाते हैं, जिस कारण मैदान पूरी तरह खराब हो जाता है। जबकि खिलाड़ी मिलकर मैदान को खेलने लायक बनाते हैं और क्रिकेट मैचों में होने वाली पार्किंग से फुटबॉल मैदान पर की गई सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है।

जयपुर में आईपीएल मैचों के लिए एसएमएस स्टेडियम के दो मैदानों को तबाह कर दिया जायेगा। क्रिकेट मैच के लिए आरसीए स्टेडियम के पास स्थित फुटबाल और निशानेबाजी मैदान पर वीआईपी गाड़ियों के लिए पार्किंग बना दी जाएगी। इसके कारण दोनों मैदानों की घास खराब होगी। यहां हर रोज कम से कम 100 खिलाड़ी तैयारी के लिए आते हैं। इन मैदानों को फिर से सही करने में कम से कम एक से दो माह का समय लगेगा।

समक्ष के पंजे से जयपुरिया क्रिकेट अकादमी ने संस्कार क्रिकेट अकादमी को हराया

जयपुर, 13 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग में संस्कार क्रिकेट अकादमी और जयपुरिया क्रिकेट अकादमी के मध्य मुकाबला खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए संस्कार क्रिकेट अकादमी ने 23.1 ओवर में 54 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें मानवीक शर्मा ने 11 रन व हर्षित धस्माना ने 7 रन बनाए। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी की गेंदबाजी की ओर से समक्ष जैन ने 5 विकेट व कुशाग्र उपाध्याय ने 2 विकेट लिए। जवाब में जयपुरिया क्रिकेट अकादमी ने मात्र 8.5 ओवर में 55/3 रन बनाकर जीत हासिल की। जिसमें रचित पटेल ने 27 रन व स्त्रावित वर्मा ने 18 रन की पारी खेली। संस्कार क्रिकेट अकादमी की गेंदबाजी की ओर से पुलकित माथुर ने 2 विकेट व जपनूर सिंह कोहली ने 1 विकेट लिया। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी ने 7 विकेट से मुकाबला जीता।

रोहित की हैट्रिक से जयपुर सिटी जीता

जयपुर, 13 अप्रैल। राजस्थान फुटबॉल संघ और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के सयुंक्त तत्वाधान में जारी आर लीग डिवीज़न फुटबॉल लीग के आज तीन मैच खेले गए। पहला मैच ब्रदर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और ए स ल के बीच मैच खेला गया । जिसमें ब्रदर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने एकतरफा अंदाज में 3-0 से मैच अपने नाम किया। मैच के 8 मिनट में विशाल ने पहला गोल किया दूसरा गोल मैच के 26 मिनट में हर्ष ने किया। मैच का अंतिम गोल विष्णु ने 61 मिनट में किया। दूसरा मैच जिंक फुटबॉल अकादमी और सनराइज फुटबाल क्लब के बीच खेला गया । जिसमें जिंक ने सनराइज को 4-1 से हराया जिंक की तरफ से विशाल (14 मिनट) करण (42 मिनट) मध्यांतर के अतिरिक्त समय में मनीष (45 5 मिनट) यश (56 मिनट) में गोल किया । सनराइज की तरफ से एकमात्र गोल आशीष (25 मिनट) में किया।

बीसीसीआई ने लिया कड़ा एक्शन, पंड्या और डेविड पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, 13 अप्रेल। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया गया है। दरअसल, मुंबई के वानखेड़े में खेले गए मुंबई और आरसीबी के मुकाबले में एमआई के कप्तान हार्दिक पंड्या की टीम से एक चूक हुई, जिसकी वजह से उनपर भारी भरकम जुर्माना लगा है। इसके अलावा आरसीबी के बल्लेबाज टिम डेविड पर भी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगा है। इस मुकाबले के 18वे ओवर में अंपायर ने गेंद बदली। टिम डेविड ने उस गेंद को अंपायर से मांगा और उसे उछालने लगे। अंपायर ने उनसे दो-तीन बार गेंद लेने की कोशिश की लेकिन वह वापसी देने की बजाय उससे खेलते रहे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। बाद में गेंद तो अंपायर ने ले ली लेकिन इस आदेश की अनदेखी माना और मैच रेफरी से शिकायत की। नियमों के तहत इसे लेवल-1 का उल्लंघन माना गया। जिसके चलते टिम डेविड पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और साथ की एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया। वहीं दूसरी ओर मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या पर स्लो ओवर रेट की वजह से 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। बता दें कि, आईपीएल 2026 में ये मुंबई इंडियंस का चौथा मैच था और टीम से ऐसा पहली बार हुआ जब वे निर्धारित समय से पूरे 20 ओवर नहीं डाल पाए। यही वजह है कि उन पर 12 लाख का जुर्माना लगा है। अगर मुंबई इंडियंस दोबारा ये गलती दोहराती है तो हार्दिक पंड्या पर 24 लाख का जुर्माना लगाया जा सकता है।

राजस्थान बैडमिंटन संघ ने वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक टूर्नामेंट का कैलेंडर जारी किया

जयपुर, 13 अप्रैल। राजस्थान बैडमिंटन संघ ने सत्र 2026-27 के लिए राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का आधिकारिक कैलेंडर घोषित कर दिया है. इस वर्ष प्रदेश के विभिन्न शहरों में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार मौका मिलेगा। राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव के.के. शर्मा के अनुसार सत्र का आगाज़ 20 से 26 जुलाई तक जयपुर में होने वाले 'राजस्थान स्टेट रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट' (पुरुष, महिला एवं अंडर-19) के साथ होगा। इसके आधार पर राजस्थान बैडमिंटन टीम का चयन होगा जो नॉर्थ जोन बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लेगी। अंडर-15 चैंपियनशिप का आयोजन 26 से 30 अगस्त तक जयपुर की डीआरएम अकादमी में होगा। अंडर-17 वर्ग की प्रतियोगिता 23 से 27 सितंबर तक उदयपुर में खेली जाएगी। अंडर-11 और अंडर-13 के छोटे खिलाड़ियों के लिए 21 से 25 अक्टूबर तक चित्तौड़गढ़ में मुकाबले होंगे। जूनियर और सीनियर इवेंट्स: अंडर-19 इंटर डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप 16 से 21 सितंबर तक श्रीगंगानगर के ब्लूमिंग डेल्स इंटरनेषनल स्कूल में आयोजित होगी वहीं सीनियर स्टेट चैंपियनशिप 24 से 30 नवंबर तक बीकानेर में आयोजित की जाएगी। मास्टर्स इवेंट: सत्र का समापन 10 से 14 फरवरी, 2027 को कोटा में आयोजित होने वाली मास्टर्स चैंपियनशिप के साथ होगा।

भारत में फिर गूंज सकती है फॉर्मूला वन की रफ्तार : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि वह भारत में 2027 तक फार्मूला 1 की वापसी के लिए प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए उन कर संबंधी बाधाओं को दूर करने की कोशिश की जा रही है, जिनकी वजह से 2013 के बाद यह रेस भारत से बंद हो गई थी। मीडिया से बातचीत में मांडविया ने बताया कि ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर रेस कराने की योजना है और कम से कम तीन कंपनियों ने इस ट्रैक के संचालन में रुचि दिखाई है। मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत में 2027 में फॉर्मूला वन रेस होगी और पहली रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगी। खेल मंत्री ने कहा कि सरकार आयोजकों के लिए इस परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए टैक्स में राहत देने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद करेगी। उन्होंने बताया कि इस पर अगले छह महीनों में विस्तृत योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक परिस्थितियों, खासकर पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत को खेल आयोजनों के लिए एक सुरक्षित और बेहतर विकल्प माना जा रहा है। सरकार पहले मोटो जीपी रेस आयोजित करने की योजना बना रही है, उसके बाद फॉर्मूला वन की वापसी का रास्ता तैयार किया जाएगा। गौरतलब है कि भारत में इंडियन ग्रां प्री 2011 से 2013 तक तीन बार आयोजित हुआ था, लेकिन टैक्स और प्रशासनिक दिक्कतों के चलते इसे बंद कर दिया गया था। हालांकि, फॉर्मूला वन के मालिक लिबर्टी मीडिया से जुड़े सूत्रों का कहना है कि 2027 में रेस होना फिलहाल मुश्किल लग रहा है, लेकिन भारत एक बड़ा संभावित बाजार जरूर है। भारत में पहले भी बड़े मोटरस्पोर्ट आयोजन लंबे समय तक नहीं चल पाए हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने घरेलू क्रिकेट कैलेंडर 2026-27 की रुपरेखा के लिए गठित की कमेटी : डॉ. मोहित

आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र में खिलाड़ियों की एनओसी, बैन प्रक्रिया के संबंध में जिला क्रिकेट संघों को जारी किये दिशा-निर्देश

जयपुर 13 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार पदभार ग्रहण करने के बाद से ही हमारा प्रथम प्रयास है की राज्य में क्रिकेट को नई उंचाईयों पर लाकर खिलाडियों की समस्त समस्याओं को दूर किया जाये व उन्हें एक बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इसी लक्ष्य को पूर्ण करने के लिएआरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी, अर्जुन बेनीवाल, अरिष्ट सिंघवीने आरसीए क्रिकेट गतिविधियों की समस्त रुपरेखा व आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2026-27 के क्रिकेट कैलेंडर व उसकी निश्चित समयाविधि को तैयार करने के लिए पूर्व खिलाडी व एडहॉक कमेटी सदस्य अरिष्ट सिंघवी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है व निर्देश दिए हैं की कमेटी अपनी रिपोर्ट जल्द से जल्द तैयार कर आरसीए एडहॉक कमेटी को प्रस्तुतुकरेगी जिससे राज्य की क्रिकेट गतिविधियों के आयोजन में व्यापक सहयोग मिलेगा।

आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा गठित कमेटी :- अध्यक्ष - अरिष्ट सिंघवी, सदस्य - विजेंद्र यादव, राजीव राठौर, सुमित माथुर, ओ पी शर्मा, पूनम यादव, एकता प्रमोद सिंह। एडहॉक कमेटी सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर के अनुसार एडहॉक कमेटी ने आरसीए के सभी जिला क्रिकेट संघो को वित्तीय वर्ष 2023 -24 व 2024 - 25 की ऑडिट रिपोर्ट आरसीए कार्यालय को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं साथ ही जिला संघो द्वारा जिले में आयोजित की जाने वाली क्रिकेट गतिविधियों , प्रशिक्षण शिविर , चयन ट्रायल्स व चयन प्रक्रिया की समस्त जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। एडहॉक कमेटी सदस्य आशीष तिवाड़ीके अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी का प्रयास यही है की राजस्थान में क्रिकेट का चहुमुखी विकास व विस्तार हो व राज्य के युवा खिलाडियों को घरेलू क्रिकेट सत्र में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो पर आरसीए एडहॉक विशेष ध्यान रख रही है। इसी कड़ी में आरसीए एडहॉक कमेटी ने आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र की क्रिकेट गतिविधियों से सम्बंधित समस्त कार्यों की जिम्मेदारी एडहॉक कमेटी सदस्य अरिष्ट सिंघवी को दी गयी है। अरिष्ट सिंघवी से समस्त राज्य के विभिन्न युवा खिलाडियों ने संपर्क कर घरेलू क्रिकेट सत्र के दौरान होने वाली विभिन्न समस्याओ के सम्बद्ध में अवगत कराया। आशीष तिवाड़ी की अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने इसपर गहन विचार करते हुए आरसीए के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र के लिए एडहॉक कमेटी सदस्यों की सर्वसम्मति से सभी जिला क्रिकेट संघो को निम्न निर्देश जारी किये हैं :- राज्य के सभी खिलाडियों पर लगाए गए बैन को तुरंत प्रभाव से निरस्त किया जाता है।खिलाडियों पर किसी भी प्रकार का बैन या प्रतिबन्ध बिना राजस्थान क्रिकेट संघ की सहमति के मान्य नहीं होगा। यदि जिला क्रिकेट संघ खिलाड़ी को किसी भी परिस्थिति में अन्य जिले से खेलने के लिए आवश्यक एनओसी देने में असफल होता है तो खिलाडी सीधे राजस्थान क्रिकेट संघ से संपर्क कर एनओसी के लिए आवेदन कर सकता है व सबंधित जिला क्रिकेट संघ को एनओसी से सम्बंधित अपनी आपत्ति मय आवश्यक दस्तावेज व कारण सहित आरसीए को उपलब्ध करानी होगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर

मचकुण्ड चौराहा जी0टी0रोड धौलपुर

फोन नं. 05642-220728 ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक :-153-160 दिनांक :- 09-04-2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड के अधीन विभिन्न कार्यों की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्न यू.वी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकते है।

एन.आई.वी.नं. PHE2627A0119

यू.वी.एन. PHE2627WSOB00200

(जीतेन्द्र लवानियां)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग,
खण्ड धौलपुर

DIPR/C/6784/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड जालोर

क्रमांकः अअ/जा/2026-27/87 दिनांकः 09.04.2026

निविदा सूचना संख्या : 01 वर्ष 2026-27

NIB No. PWD2627A0096

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 5 कार्य जिनकी लागत राशि रू. 91.02 लाख है, अतः उक्तकार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	13 अप्रैल 2026 प्रातः 10.00 बजे से 20 अप्रैल 2026, सायं 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB No. PWD2627A0096

यूबीएन नं.-1. PWD2627WSOB00433, 2. PWD2627WSOB00436

3. PWD2627WSOB00438, 4. PWD2627WSOB00440, 5. PWD2627WSOB00442

(शंकर लाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड, जालोर
मोबाईल 9983975907

DIPR/C/6783/2026

मुख्यमंत्री ने पचपदरा में प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की जनसभा में पानी, बैठने तथा पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए

बालोतरा/जयपुर,13 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को बालोतरा में पचपदरा की एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बालोतरा में प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री 21 अप्रेल को देश के पहले एचपीसीएल इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स का शुभारंभ बालोतरा में करेंगे। इस रिफाइनरी के माध्यम से देश-प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। साथ ही, यह रिफाइनरी राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी।

इस दौरान शर्मा ने रिफाइनरी की क्रूड डिजिटेशन यूनिट, रिफाइनरी मेन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने रिफाइनरी प्रतिनिधियों से संवाद कर उनका अनुभव भी जाना। मुख्यमंत्री नेकहा कि रिफाइनरी के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस मौके पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री ने जनसभा स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन स्थल के ले आउट का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को बालोतरा के पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी का निरीक्षण कर आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक भी ली। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए जनसभा में आमजन के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए, साथ ही यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग आपस में समन्वय कर पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर सजावट में राजस्थान की कला संस्कृति का प्रदर्शन होना चाहिए, जिससे आगन्तुक प्रदेश की ऐतिहासिक गौरवशाली परम्परा से रूबरू हो सकें।

> ■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रिफायनरी की क्रूड डिजिटेशन यूनिट, रिफायनरी मेन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने रिफायनरी के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनके अनुभवों की जानकारी ली।

इससे पहले हैलिपेड पर मुख्यमंत्री का स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री श्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री श्री केके बिश्नोई, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ कई अन्य नेता, मंत्री व अफसर मौजूद थे।

गुरु ग्रंथ साहिब का अपमान किया तो उम्र कैद व 25 लाख रूपए तक जुर्माना

पंजाब विधानसभा में सर्व सम्मति से बेअदबी कानून पारित

चंडीगढ़ , 13 अप्रैल। पंजाब में करीब एक दशक से चुनावी मुद्दा बने बेअदबी के मामलों में अब कड़ी सजा देने के लिए सोमवार को बेअदबी कानून पारित किया गया है। बैसाखी के अवसर पर पंजाब विधानसभा के विशेष एक दिवसीय सत्र के दौरान विधानसभा में जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026 सर्वसम्मति से पास किया गया। इस विधेयक में आरोपितों को उम्र कैद की सजा का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सदन में यह विधेयक पेश किया। चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस हुई। हंगामे के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट किया कि यह विधेयक अभी केवल श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी पर ही लागू होगा। गैर सिखों (हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, आदि) के पवित्र ग्रंथों और धार्मिक स्थलों से छेड़छाड़ पर इस विधेयक के तहत फिलहाल कोई सजा का प्रावधान नहीं है। सीएम ने कहा कि अन्य धर्मों के लोगों से भी राय लेकर जल्द ही कानून बनाया जाएगा।

इस विधेयक को लेकर नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और स्पीकर कुलतार सिंह संधवां के बीच बहस हुई। बाजवा ने कहा कि हम इस बिल का समर्थन करते हैं, लेकिन इस मामले में बनाई गई निज्जर कमेटी की रिपोर्ट को सदन में पेश किया जाए।

> ■ मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, अब कोई पत्थर दिल ही होगा, जो ऐसा करने के बारे में सोचेगा, अगर किसी ने ऐसा किया तो पीढ़ियों तक उसका अहसास रहेगा।

इससे पहले अप्रैल, 2025 में एक विधेयक लाया गया था, जिसमें सभी धर्मों के पवित्र ग्रंथों को शामिल किया गया था, लेकिन उसे सेलेक्ट कमेटी के पास भेज दिया गया था। वर्तमान पारित विधेयक केवल श्री गुरु ग्रंथ साहिब पर केंद्रित है। सत्र के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने पर सख्त सजा रखने संबंधी बिल सर्वसम्मति से पास हुआ है। मुझे उम्मीद है कि अब कोई पत्थर दिल ही होगा, जो इस घटना के बारे में सोचेगा। अगर सोचेगा तो उसे पीढि य़ों तक उसका एहसास रहेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सेलेक्ट कमेटी का कार्यकाल छह महीने बढ़ ाया गया है, क्योंकि उस समय बाढ़ आ गई थी। ऐसे में सभी धर्मों के लोगों से बातचीत नहीं हो पाई थी। अभी सभी से राय लेनी होगी। कमेटी अब सभी धार्मिक लोगों के पास जाकर राय लेगी।

‘अगर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देते हुए, न्यायमूर्ति ने कहा, “आप जिस देश में पैदा हुए हैं, वहां मतदान का अधिकार केवल संवैधानिक नहीं, बल्कि भावनात्मक भी है। यह ऐसा है, जैसे आप लोकतंत्र का हिस्सा हैं और सरकार चुनने में मदद कर रहे हैं।”

जब नायडू ने कहा कि पश्चिम बंगाल किसी भी दृष्टिकोण से एसआईआर वाले राज्यों की तुलना में अलग नहीं है, तो न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि बिहार में तार्किक असंगति सूची नहीं थी।

नायडू ने कहा कि बिहार में भी अस्वीकृतियाँ हुईं, लेकिन कोई अपील प्रक्रिया नहीं थी।

इस पर न्यायमूर्ति बागची ने कहा, “अपील न्यायाधिकरण के लिए यह मतदाता सूचियों को बढ़ाने या घटाने का मुकाबला नहीं है। उन्हें समावेशन के सिद्धांतों पर सुनवाई करनी होगी।”

‘तृणमूल अलगाववादियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलगाववादियों के प्रति नरम रुख अपनाने के लिए दोषी ठहराया।

देश की सुरक्षा के प्रति टीएमसी की “अविवेकपूर्ण नीति” का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा: “हमारा सिलीगुड़ी भारत की सुरक्षा के लिए भी एक महत्वपूर्ण द्वार है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि भारत माता की भुजा है। लेकिन दोस्तो, आपको याद रखना चाहिए कि तृणमूल ने वोट बैंक को खुश करने के लिए क्या-क्या किया?”

उन्होंने आगे कहा, "देश में एक टुकड़े-टुकड़े गैंग (अलगाववादी) है। इस गैंग ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी थी।

उन्होंने उत्तर-पूर्व को देश से अलग करने की बातें की थीं। ऐसे लोगों को तृणमूल ने सड़क से संसद तक समर्थन दिया।”

सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे अनौपचारिक रूप से चिकन नेक कहा जाता है, मुख्य भारत को उत्तर-पूर्व से जोड़ता है। यह रास्ता अपने सबसे संकीर्ण हिस्से पर लगभग 20-22 किमी चौड़ा है और बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और चीन की सीमा के करीब स्थित है।

बंगाल के मंत्री और तृणमूल उम्मीदवार ब्रत्य बसु ने प्रधानमंत्री की टिप्पणी को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, “वे हर उस व्यक्ति को टुकड़े-टुकड़े गैंग कहते हैं जो भाजपा के खिलाफ है।”

कांग्रेस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार संसद के मौजूदा बजट सत्र के तहत हो रही इस तीन दिवसीय बैठक में महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने से संबंधित संशोधन एवं परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पेश करने की तैयारी में है।

15 अप्रैल तक बिहार में नई सरकार का गठन होगा

पटना, 13 अप्रैल। बिहार में नयी सरकार के गठन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार दोपहर 2 बजे जनता दल यूनाइटेड (जदयू) विधायक दल की बैठक अपने आवास पर बुलाई है।

वहीं, दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने करीब 3:30 बजे अपने विधायकों की बैठक तय की है, जिसमें केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान विधायक दल के नेता, यानी राज्य के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा करेंगे।

दोनों दलों की बैठकों के बाद शाम 4 बजे विधानमंडल के केन्द्रीय कक्ष में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें भाजपा विधायक दल के नेता को गठबंधन का नेता चुना जाएगा।

> ■ नीतीश 14 अप्रैल को राजभवन जाकर ईस्तीफा देंगे।

भाजपा और जदयू सूत्रों के अनुसार, बिहार में करीब पांच माह के भीतर नई सरकार का गठन 15 अप्रैल को किया जाएगा और उसी दिन शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होने की संभावना है। इधर, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास पर सोमवार को राजग नेताओं की अहम बैठकें हुईं। जदयू नेता संजय झा और लल्लन सिंह ने उनसे मुलाकात की, जबकि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी भी वहां पहुंचे। फिलहाल सरकार गठन की गतिविधियों का केन्द्र नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी के आवास बने हुए हैं।

माना जा रहा है कि भाजपा विधायक दल का नेता ही अगला मुख्यमंत्री होगा। इसके लिए पर्यवेक्षक के रूप में शिवराज सिंह चौहान मंगलवार सुबह पटना पहुंचेंगे।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उप-नेता विजय कुमार सिन्हा हैं, जो फिलहाल नीतीश सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं। 14 अप्रैल को कैबिनेट की अंतिम बैठक होगी, जिसके बाद नीतीश कुमार राजभवन जाकर इस्तीफा देंगे और नई सरकार गठन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इसके बाद जदयू विधायक दल को भी नया नेता चुनना होगा, क्योंकि नीतीश कुमार के सांसद बनने के बाद विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य ही मुख्यमंत्री पद के लिए चुना जा सकता है।

‘कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ है, हम डरेंगे नहीं’

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां पर लगाए गए आरोपों के बाद दर्ज हुई एफआईआर मामले में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने कहा कि हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है।

राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में असम के मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया।

उन्होंने कहा कि सरमा अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए अपनी मुख्यमंत्री की सरकारी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। यह संविधान के खिलाफ है।

चीन ने अरूणाचल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्रालय के आधिकारिक बयान में कहा गया, “अरुणाचल प्रदेश भारत का अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा।”

समझा जाता है कि भारतीय सरकार ने चीन से आग्रह किया है कि वह ऐसे कदम न उठाए, जो द्विपक्षीय संबंधों में नकारात्मकता पैदा करें और दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य करने की प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव डालें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, “चीन की ये कार्रवाहियां भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य करने के प्रयासों से ध्यान भटकाती हैं।”

पिछले वर्षों में, चीन ने अपने सिविल अफेयर्स मंत्रालय की वेबसाइट पर अरुणाचल के स्थानों के नाम चीनी और तिब्बती लिपि में प्रकाशित किए हैं, साथ ही उनके अक्षांश/देशांतर और नक्शे भी दिए हैं। ये स्थान भारतीय प्रशासनिक जिलों, जैसे तवांग, वेस्ट कामेंग, सियांग, अंजाव, डिबांग वैली आदि में आते हैं।

चीन का यह भी कहना है कि अरुणाचल तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र का हिस्सा है और मैकमोहन रेखा “अवैध और शून्य है।” यह ब्रिटिश साम्राज्यवाद का उत्पाद है, जिसे तिब्बत (स्वतंत्र इकाई नहीं) को स्वीकार करने का अधिकार नहीं था। भारत ने लगातार एकतरफा बदलाव को खारिज किया है और जोर देकर कहा है कि अरुणाचल और लद्दाख दोनों भारत के अपरिहार्य मुख्य हित हैं।

कूनो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रेंज से मोहम्मद अखलाक, जितेन्द्र सहरिया, बलराम सहरिया आदि वनकर्मी साथ थे। बताया जा रहा है कि चीता एक नीलगाय का शिकार कर चुका है।

अमेरिका ने जहाजों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ संकेत हैं कि नाकेबंदी केवल ईरानी जहाजों पर लागू होगी। अमेरिकी नौसेना ने पहले ही संदेश भेज दिए हैं कि कोई भी ईरानी जहाज, जो खाड़ी के माध्यम से या होर्मुज़ की ओर बढ़ रहा है, उसे समाप्त कर दिया जाएगा। अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी कर रहा है और इन्हें निष्क्रिय किया जा रहा है।

यह मुख्य प्रतिद्वंदियों के बीच संघर्ष विराम को खतरे में डाल सकता है और वे एक-दूसरे पर हमले शुरू कर सकते हैं। ईरान अपनी ओर से अन्य प्रकार के हस्तक्षेप की कोशिश कर रहा है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी राष्ट्रपति मोहम्मद पेझेशकियन ने व्लादीमिर पुतिन से संपर्क किया है, ताकि विवादों को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप किया जा सके।

होर्मुज़ नाकेबंदी ईरान के लिए गंभीर खतरा है, क्योंकि युद्ध के दौरान ईरान अपने कच्चे तेल को होर्मुज़ के मार्ग से ही भेजता रहा है। इसके अलावा, हिंसा के फैलने के बाद कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने ईरान को अतिरिक्त राजस्व अर्जित करने में मदद की, जिससे उसने अपनी कार्रवाहियों को वित्तपोषित किया।

बंगाल में एक्शन मोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीतिक दिग्गजों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और कॉरपोरेट संस्थाओं को निशाना बनाया, और हवाला लेनदेन और “अपराध की आय” का एक व्यापक नेटवर्क उजागर किया।

एजेंसी की नजर उच्च पदस्थ अधिकारियों पर कड़ी हो गई है। मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी एजेंसी ने कई घोटालों में कथित रूप से शामिल वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

मेडिकल भर्ती घोटाले के अन्तर्गत, संतनु सिन्हा बिस्वास, पुलिस उपायुक्त (विशेष शाखा, कोलकाता), अपने बेटे को कथित रूप से निजी मेडिकल कॉलेज में धोखाधड़ीपूर्ण एनआरआई कोटा के तहत प्रवेश दिलाने के आरोप में जांच के घेरे में हैं।

समन को चुनौती देने के लिए हाईकोर्ट जाने के बावजूद, ईडी ने उनकी उपस्थिति के लिए नए आदेश जारी किए हैं, यह कहते हुए कि जांच पर कोई रोक नहीं है।

‘सरकार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है, क्योंकि सभी विपक्षी पार्टियों ने इसे रोकने के लिए अपनी कमर कस ली है। विशेषकर दक्षिण भारत की पार्टियां, जिन्हें लगता है कि वे हाशिए पर आ जाएंगी, और छोटे राज्यों को, जिन्हें लगता है कि वे राष्ट्र शासन में अप्रासंगिक हो जाएंगे, परिसीमन के कारण इस विधेयक के कड़े विरोध में हैं।

मॉनसून में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 को लेकर शुरुआती पूर्वानुमान जारी किया है। इस बार देश में मानसूनी बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है।

जून से सितंबर के बीच होने वाली कुल वर्षा लगभग 92 प्रतिशत लॉन्ग पीरियड एवरेज (यानी किसी क्षेत्र में एक निश्चित अवधि में 30 या 50 वर्षों की दर्ज की गई औसत वर्षा) रहने का अनुमान है, जिसमें 5 प्रतिशत की संभावित त्रुटि हो सकती है। देश के लिए एलपीए (1971-2020 के आधार पर) 87 सेंटीमीटर तय है।

> ■ मौसम विभाग की शुरुआती रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ें।

आईएमडी ने सोमवार को जारी पूर्वानुमान में बताया कि फिलहाल प्रशांत महासागर में कमजोर ला नीना जैसी स्थिति बनी हुई है, जो धीरे-धीरे ईएनएसओ न्यूट्रल की ओर बढ़ रही है। हालांकि, मानसून सीजन के दौरान एल नीनो बनने की संभावना जताई गई है।

आशा भोंसले पंचतत्व में विलीन हुई, बेटे ने मुखाग्नि दी

महाराष्ट्र पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया

मुंबई, 13 अप्रैल। भारतीय संगीत की दिग्गज गायिका आशा भोसले सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गईं। 92 वर्ष की आयु में रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका निधन हो गया था। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है।

सोमवार को उनके पार्थिव शरीर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक लोअर परेल स्थित उनके निवास कासा ग्रांडे में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया।

इसके बाद उनकी अंतिम यात्रा दादर स्थित शिवाजी पार्क के लिए रवाना हुई। करीब पांच किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर हजारों प्रशंसकों का हुजूम उमड़ पड़ा। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने अपनी प्रिय ‘आशा ताई’ को फूलों की वर्षा कर भावभीनी विदाई दी।

आशा भोसले का पार्थिव शरीर फूलों से सजी गाड़ी में शिवाजी पार्क ले जाया गया। गाड़ी को उनके पसंदीदा सफेद और पीले फूलों से सजाया गया था। उस पर उनकी एक बड़ी तस्वीर लगी थी।

> ■ सफेद और पीले फूलों से सजी गाड़ी में उनके पार्थिव शरीर को शिवाजी पार्क ले जाया गया जहां उनका राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

जैसे ही उनका पार्थिव शरीर वाहन में रखा गया, पुलिस बैंड ने शोक धुन बजाकर उन्हें सम्मान दिया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अंतिम यात्रा शिवाजी पार्क पहुंची, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

‘महामानव “नीतीश” के बिना बिहार अधूरा है’

पटना, 13 अप्रैल। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को संभवत: अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। हम के संस्थापक एवं केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सीएम पद छोड़ने से पहले भावुक पोस्ट कर अपनी भावनाएं साझा की है। नीतीश कुमार को महामानव बताते हुए उन्होंने कहा है कि उनके बिना बिहार अधूरा रहेगा।

> ■ केन्द्रीय मंत्री और ‘हम’ पार्टी के संस्थापक जीवन राम मांझी ने मुख्यमंत्री नीतीश के सी.एम पद से इस्तीफा देने से पहले भावुक ‘पोस्ट’ डाला।

अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से सोमवार को उन्होंने कहा कि नीतीश जी, अगले चौबीस घंटे में आप बिहार के मुख्यमंत्री पद को छोड़ देंगे। सबको पता है कि आपका यह ख़्वाब था कि आप देश के चारों सदनों के सदस्य रहें, पर आपके इस ख़्वाब ने करोड़ों दिलों को रूला दिया है।

पायलट ने टोंक सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं

उन्होंने कहा कि सरकार को हार का डर है इसलिए वह गाँवों व शहरों के चुनाव टाल रही है

टोंक, 13 अप्रेल। पूर्व उपमुख्यमंत्री व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट सोमवार को टोंक पहुंचे, जहाँ कार्यकर्ताओं ने सर्किट हाउस में माला पहनाकर और साफा बंधवाकर कर उनका स्वागत किया। इस दौरान पायलट ने कहा कि गांवों, शहरों और यूनिवर्सिटी में भी चुनाव कराए जाने चाहिए, वर्तमान में प्रशासक और अधिकारी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जिससे कामकाज प्रभावित हो रहा है और विकास कार्य ठप पड़े हैं।

भाजपा सरकार के आने के बाद से पंचायती राज संस्थाओं, नगर पालिकाओं और विश्वविद्यालयों के चुनाव नहीं कराए गए हैं, जबकि यह लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है, जो संविधान में भी अंकित है। पायलट ने कहा कि विपक्षी विधायकों तथा सांसदों के बजट में भेदभाव होता है, लेकिन हम जनता के काम करवाएंगे। उन्होंने बताया कि टोंक के लिये मेडिकल कॉलेज, पुल और नर्सिंग कॉलेज जैसे कई प्रोजेक्ट बनाए गए हैं, लेकिन इन्हें अपेक्षित स्तर पर औपचारिक शुरुआत नहीं मिल पाई। कानूनी रूप से भी सरकार पर चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, लेकिन न तो निर्वाचन आयोग और न ही सरकार इस दिशा में गंभीर दिख रही है। कोर्ट ने 15 अप्रैल तक चुनाव कराने की समय सीमा दी थी, इसके बावजूद सरकार चुनाव नहीं करा पाई। उन्होने वर्तमान सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर चुनाव टाल रही है, क्योंकि उसे डर है कि परिणाम उसके पक्ष में नहीं आएंगे। लोग चाहते हैं कि वार्ड मेंबर और सरपंच चुने जाएं, ताकि स्थानीय स्तर पर काम तेजी से हो सके।

पूर्व उपमुख्यमंत्री व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने सोमवार को टोंक के सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं।

हाल ही में पायलट ने जिन गांवों का दौरा किया, वहां मनरेगा का काम लगभग खत्म होता नजर आया। सरकार की मंशा ही मनरेगा को समाप्त करने की है और इसका नाम बदलकर इसे कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस सरकार के दौरान लाखों लोगों को इस योजना से रोजगार मिलता था, लेकिन अब ग्रामीण विकास के कार्यों में गिरावट आई है। देशभर में मनरेगा की स्थिति कमजोर होती जा रही है, जो चिंता का विषय है।

> ■ काँग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि टोंक में मैडिकल कॉलेज, पुल और नर्सिंग कॉलेज जैसे कई प्रोजैक्ट बनाये गए हैं, पर इन्हें अपेक्षित स्तर पर औपचारिक शुरुआत नहीं मिल पाई है।

इससे पहले सर्किट हाउस में सचिन पायलट ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं, जहां पुरानी टोंक क्षेत्रवासी मिलने पंहुचे, तथा उन्होने गत दिनों हुए पथराव को लेकर पूरा घटनाक्रम पायलट को बताया। पायलट ने कहा कि क्षेत्र में शांति और भाईचारा बनाए रखने के लिए प्रभावी प्रयास जरूरी हैं। इस दौरान जिलाध्यक्ष सउद सईदी, पूर्व जिलाध्यक्ष रामविलास चौधरी, मनिंदर सिंह लोदी सहित, कई नेता मौजूद थे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908